कार्तिक शुक्ल पक्ष -2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 124 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
11 नवंबर 2026 बुधवार

आज का मौसम
32.6 अधिकतम
14.2 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

व्हाट्सएप और बैंकों से मांगा जवाब... डिजिटल अरेस्ट स्कैम रोकने के उपाय बताएं

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती...ऑनलाइन ठगी पर तय की जाए जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन ठगी के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए अब सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जवाब मांगा है। अदालत ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह बताएं कि इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए क्या कदम उठाने की योजना है। साथ ही, इन उपायों को भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के साथ भी साझा करना होगा। सुनवाई के दौरान व्हाट्सएप ने कहा कि वह पहले ही 9400 खातों के खिलाफ कार्रवाई कर चुका है और संदिग्ध अकाउंट की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर पर काम कर रहा है। दूसरी ओर, कोर्ट ने बैंकों की जिम्मेदारी तय करने और साइबर ठगी के पीड़ितों को मुआवजा दिलाने पर भी जोर दिया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने 'इन रेः विक्टिम्स ऑफ डिजिटल अरेस्ट रिलेटेड टू फर्ज्ड डॉक्युमेंट्स' वाले मामले पर खुद से संज्ञान लिया और सुनवाई के दौरान आदेश दिया। इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना भी शामिल हैं। सुनवाई के दौरान अदालत में व्हाट्सएप की तरफ से पेश वकील कपिल सिब्बल ने अदालत को जानकारी दी कि प्लेटफॉर्म ने लगभग 9,400 खातों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, संदिग्ध खातों की पहचान करने और यूजर्स को चेतावनी देने के लिए एक नए सॉफ्टवेयर पर भी काम चल रहा है।



लापरवाही हुई तो पूरा पैसा रिफंड करेंगे बैंक

यह पूरा मामला सिर्फ व्हाट्सएप तक सीमित नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने वित्तीय संस्थानों और रिजर्व बैंक के खिलाफ भी कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने साफ निर्देश दिया है कि अगर किसी ग्राहक के साथ बैंक की लापरवाही या लचर ड्यू डिलिजेंस की वजह से साइबर फ्रॉड होता है, तो बैंकों को पीड़ित का पूरा पैसा हर्जाने के तौर पर वापस करना होगा। संदिग्ध ट्रांजैक्शन पर तुरंत अस्थायी रोक लगाने और पुलिस को सूचना देने जैसे सख्त निवारक उपायों पर भी जोर दिया गया है, जिसकी अगली सुनवाई अब 23 नवंबर 2026 को तय की गई है।

व्हाट्सएप और अन्य प्लेटफॉर्म्स को अल्टीमेटम

चीफ जस्टिस व बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप और अन्य संबंधित intermediaries को कड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया कि ये सभी प्लेटफॉर्म्स तुरंत बताएं कि वे डिजिटल अरेस्ट स्कैम और साइबर क्राइम को रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाने जा रहे हैं। साथ ही इन सभी प्रस्तावों को एक साथ 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' के पास भी जमा कराना होगा ताकि सुरक्षा पुख्ता हो सके।

झूम रहा शेयर बाजार

सेंसेक्स 1300 अंक चढ़कर 82,400 के पार



» निफ्टी में 350 अंक की तेजी, 10 महीने में 16 फीसदी गिरा था बाजार

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज फिर तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 1300 अंक या 1.65% चढ़कर 82,400 के पार कारोबार कर रहा है। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 6 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 350 अंक या 1.40% की तेजी है, ये 25,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में बैंकिंग और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी है। ज्ञात हो कि 1 जनवरी 2026 को सेंसेक्स 85,188 के स्तर पर था। इसके बाद बाजार में गिरावट का सिलसिला शुरू हुआ और 1 अक्टूबर को सेंसेक्स 71,292 के इस साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया था।

कच्चे तेल में गिरावट

अमेरिका ने कहा है कि वो ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा, जिससे मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई रुकने या प्रभावित होने का डर कम हो गया है। इस खबर के बाद ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतें घटकर दो महीने के निचले स्तर यानी 89.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं। भारत अपनी जरूरत का 80% से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता होने पर देश का आयात बिल घट सकता है, जो इकोनॉमी को मजबूती दे सकता है।

रुपया 20 पैसे मजबूत

रुपया मजबूत शुरुआत के साथ 0.2% यानी 20 पैसे चढ़ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 9ह्यह्यह्य3.72 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि इससे पहले यह 93.92 पर बंद हुआ था।

न्यूज विंडो

गोवा में 4 साल की बच्ची से रेप बिहार का रहने वाला आरोपी अरेस्ट

पणजी, एजेंसी। गोवा में 4 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने बिहार के रहने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक हफ्ते में राज्य में नाबालिग से यौन हिंसा का यह दूसरा मामला है।पुलिस के मुताबिक, घटना कुशावती जिले के काणकोण तालुका के श्रीस्थल गांव में हुई। आरोपी दो दिन पहले ही गोवा आया था और एक बेकरी में काम कर रहा था। इससे पहले रविवार रात उत्तरी गोवा के मापुसा में गुब्बारे बेचने वाले की 3 साल की बेटी के साथ भी रेप हुआ था। उस मामले में आरोपी का पता नहीं चला है।

पूर्व मुख्य सचिव एवी सिंह का निधन दिग्विजय सरकार में रहे थे सीएस

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आदित्य विजय (एवी) सिंह का आज निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे।



उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में प्रदेश के मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके कार्यकाल के दौरान ही दिसंबर 2003 में उमा भारती के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी।22 अक्टूबर 1943 को जन्मे एवी सिंह 1970 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी थे। वे अपनी प्रशासनिक दक्षता और कार्यशैली के लिए पहचाने जाते थे। उन्होंने अपने लंबे प्रशासनिक करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

असम के डिगारू स्टेशन की घटना

ट्रेन का इंजन-डिब्बे पटरी से उतरे, 50 यात्री घायल



गुवाहाटी, एजेंसी

असम के कामरूप जिले के डिगारू रेलवे स्टेशन पर आज सुबह करीब 6:54 बजे कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस के इंजन और 5 डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, करीब 50 पैसेंजर घायल हुए हैं। हालांकि रेलवे ने कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुताबिक, हादसा डिगारू स्टेशन पर ट्रेन को दूसरी लाइन पर लेने के दौरान हुआ। लोको पायलट दूसरी ट्रेन को प्राथमिकता देने के लिए स्पीड कम नहीं कर सका। इससे ट्रेन दूसरी लाइन पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई और इंजन समेत 5 डिब्बे पटरी से उतर गए।

लोको पायलट बोले- कुछ काम नहीं कर रहा सिग्नल फेल है

45 सेकेंड के वीडियो में ट्रेन के लोको पायलट केबिन का अंदरूनी हिस्सा दिखाई दे रहा है। इसमें कंट्रोल पैनल, डिजिटल डिस्प्ले, स्विच और इंजन के उपकरण दिख रहा हैं। लोको पायलट की आवाज सुनाई दे रही है। इसमें वो कह रहे हैं कि कुछ भी काम नहीं हो रहा। सिग्नल फेल है। इमरजेंसी लगा हुआ है, काम नहीं कर रहा है। एस9 ए9 कुछ भी काम नहीं कर रहा है।

एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को हाईजैक की धमकी

» उड़ान से पहले टॉयलेट में मिला नोट

कोलकाता, एजेंसी। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को आज सुबह हाईजैक की धमकी का नोट टॉयलेट में मिला। इसमें लिखा था कि सुबह 11.10 बजे प्लेन को हाईजैक कर लिया जाएगा।



पायलट ने तुरंत ATC को सूचना दी। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में भेजा गया और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। यह फ्लाइट कोलकाता से मुंबई जा रही थी। विमान में नोट मिलने के समय पांच क्रू मेंबर और 93 यात्री सवार थे। नोट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। एअर इंडिया की एयरबस ए320निओ आज कोलकाता एयरपोर्ट से उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी, तभी क्रू को नोट मिला। एयरपोर्ट की तरफ से अभी ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया गया है।

मदर डेयरी का दूध 4 रुपए प्रति लीटर तक महंगा

» 6 महीने में दूसरी बार दाम बढ़ाए

नई दिल्ली, एजेंसी। मदर डेयरी ने दूध की कीमतें 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा दी हैं। नई कीमतें कल से लागू होंगी। कंपनी ने दूध की खरीद लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लिया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।दिल्ली-एनसीआर में कंपनी के टोंड, फुल क्रीम, डबल टोंड और गाय के दूध समेत सभी प्रमुख वैरिएंट के दाम बढ़ाए गए हैं। कंपनी ने पिछली बार 14 मई 2026 को दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। इससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में बदलाव किया गया था।कंपनी से जुड़े सूत्रों के हवाले से ने बताया कि किसानों से दूध खरीदने की लागत काफी बढ़ गई है। दूध की खरीद और बाकी खर्चों में आई इस तेजी के चलते कंपनी पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा था। इसलिए दूध की खुदरा कीमतें बढ़ाना कंपनी की मजबूरी बन गया था।



ट्रेन का कोच भी जलाया, पूर्व पीएम हसीना की वापसी के ऐलान पर तनाव

बांग्लादेश के 21 जिलों में हिंसा...24 घंटे में 22 वाहन फूंके

ढाका, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद बांग्लादेश में हिंसा फिर भड़क गई है। सोमवार से मंगलवार देर रात तक देश के कम से कम 21 जिलों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। बसों और ट्रेन के कोच में आग लगाई गई। सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों के गेट भी बंद कर दिए गए।

बांग्लादेश पुलिस और ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 11 जिलों में 22 वाहनों को आग लगाई गई। ढाका और छह अन्य जिलों में कम से कम 28 जगह देसी बम धमाकों की घटनाएं हुईं। पुलिस मुख्यालय का दावा है कि इन घटनाओं के पीछे शेख हसीना की पार्टी के समर्थक हैं। पुलिस के मुताबिक, हसीना की बांग्लादेश वापसी की घोषणा के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हुईं।



आज का कार्टून



मेट्रो एंकर | जेनसन हुआंग की 41 साल पुरानी शादी चर्चा में, हाल ही में स्वीकार किया था अफेयर

एनवीडिया सीईओ का महंगा होगा तलाक, पत्नी को मिलेंगे 7 लाख करोड़!

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

दुनिया में आपने कई महंगे तलाक के किस्से सुने होंगे, लेकिन इस बार मामला ऐसा है कि अगर शादी टूटती है तो संपत्ति का बंटवारा दुनिया के तमाम रिकॉर्ड पीछे छोड़ सकता है। दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग की 41 साल पुरानी शादी इन दिनों चर्चा में है। वजह है उनका विवाहेतर संबंध स्वीकार करना। मीडिया में चल रही अटकलों के मुताबिक, अगर पत्नी लोरी हुआंग से उनका तलाक होता है तो उन्हें अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा गंवाना पड़ सकता है। अनुमान है कि यह रकम करीब 80 अरब डॉलर यानी लगभग सात लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

63 वर्षीय जेनसन हुआंग ने 8 नवंबर को एनवीडिया के कर्मचारियों को भेजे संदेश में अपनी पत्नी से बेवफाई स्वीकार की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों को दुख पहुंचाया है और उनके इस कदम का कोई बहाना नहीं हो सकता। उन्होंने अपने किए की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए परिवार से माफी मांगी। हुआंग ने यह भी उम्मीद जताई कि समय के साथ वह परिवार का भरोसा दोबारा हासिल कर सकेंगे। यह स्वीकारोक्ति ऐसे समय आई, जब उनके एक महिला के साथ कथित संबंधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खबरें सामने आ रही थीं।

मीडिया रिपोर्टों में जेनसन हुआंग का नाम एलिस हुआंग नाम की महिला के साथ जोड़ा गया है। वह सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी बताई जाती हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संदेह है कि इस महिला के चीन से जुड़े खुफिया नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। हालांकि, ये आरोप जांच के दायरे में हैं। हुआंग ने कर्मचारियों को भेजे अपने माफीनामे में महिला का नाम नहीं लिया। एनवीडिया के निदेशक मंडल ने भी पूरे मामले की स्वतंत्र जांच शुरू करने की घोषणा की है।



कॉलेज में मिले 41 साल पहले

जेन्सेन हुआंग और उनकी पत्नी लोरी की मुलाकात करीब 41 साल पहले कॉलेज में हुई थी। दोनों की पहली मुलाकात अमेरिका की ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी। उस समय जेन्सेन 17 साल के थे और लोरी उनसे दो साल छोटी थीं। कॉलेज के दिनों में शुरू हुआ यह रिश्ता आगे चलकर शादी में बदल गया। दोनों के दो बच्चे भी हैं। आज जेन्सेन दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में शामिल हैं। जेन्सेन की अनुमानित कुल संपत्ति करीब 162.2 अरब डॉलर (लगभग 14 लाख करोड़ रुपए) आंकी गई है। इसका आधा 81.1 अरब डॉलर बैठता है, जो भारतीय मुद्रा में करीब 7 लाख करोड़ रुपए होता है। यह रकम संभावित तलाक में पत्नी को मिलने की चर्चा का आधार है।



पचमढ़ी से भी ठंडे भोपाल-जबलपुर...

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के 17 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। अमरकंटक और करौंदी में पारा 12 डिग्री से नीचे चल रहा है। भोपाल-जबलपुर प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी सर्द हैं। मौसम केंद्र भोपाल के मुताबिक, अगले 4 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

इन शहरों में सबसे कम पारा मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अमरकंटक और करौंदी सबसे ठंडे बने हुए हैं। बीती रात अमरकंटक में न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कटनी के करौंदी में 11.3 डिग्री, दमोह में 12 डिग्री, शहडोल के कल्याणपुर में 12.3 डिग्री, रायसेन में 12.6 डिग्री, बालाघाट के मलाजखंड में 12.8 डिग्री रहा। वहीं, भोपाल, जबलपुर-छिंदवाड़ा में 13 डिग्री, पचमढ़ी में 13.2 डिग्री, उमरिया में 13.4 डिग्री, मंडला-नौगांव में 13.6 डिग्री, रीवा में 13.8 डिग्री, इंदौर में 14 डिग्री, खजुराहो में 14.4 डिग्री और सीधी में 14.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बाकी शहरों में तापमान 15 डिग्री या इससे ज्यादा रहा। आगे और घटेगा तापमान मौसम विभाग ने बताया, प्रदेश में 4 दिन के अंदर न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट होगी। कहीं भी बारिश नहीं मौसम विभाग के अनुसार, आज प्रदेश में कहीं भी आंधी-बारिश का अलर्ट नहीं है। पिछले एक सप्ताह से प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर रहा है। इधर, दिवाली के बाद प्रदेश की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। भोपाल और उज्जैन में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है। ऐसा पांच साल में तीसरी बार हुआ है।

न्यूज विंडो

पटाखों से उछले कीचड़ के विवाद में की थी अनिकेत की हत्या



भोपाल। इब्राहिमगंज में दीपावली की रात हुए अनिकेत खटीक हत्याकांड में फरार छह आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित किया है। डीसीपी आयुष गुप्ता के निर्देश पर बनाई गई टीम का नेतृत्व एसीपी अरविंद सिंह राजपूत करेंगे। इसमें हनुमानगंज थाना प्रभारी अवधेश सिंह भदौरिया, सब इंस्पेक्टर बीएस वर्मा के साथ क्राइम ब्रांच और साइबर सेल के पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। टीम को फरार आरोपितों को पकड़ने के साथ वारदात में सभी की भूमिका और चाकू से हमला करने वालों की पहचान करने की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस इस मामले में इब्राहिमगंज निवासी आदित्य रैकवार उर्फ आदि (19) और प्रेम वस्कार (18) को गिरफ्तार कर चुकी है। पूछताछ में दोनों ने वारदात में शामिल होना स्वीकार किया है।

मप्र पुलिस को नहीं मिला 5 करोड़ के सॉफ्टवेयर खरीदने का अधिकार

भोपाल। मध्यप्रदेश में पुलिस मुख्यालय द्वारा साल भर पहले गृह विभाग को सॉफ्टवेयर खरीदी के अधिकार क्षेत्र को लेकर भेजा गया प्रस्ताव नामंजूर हो गया है। खरीदी के अधिकार डीजीपी को नहीं मिलने से पुलिस को किसी भी प्रकार की सॉफ्टवेयर की खरीदी के लिए पूर्व निर्धारित नियमों के अनुसार गृह विभाग को ही फाइल भेजनी होगी। बता दें कि पीएचक्यू की योजना शाखा ने 5 करोड़ तक के सॉफ्टवेयर खरीदी के अधिकार से संबंधित एक प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा था। इसमें खरीदी के सीधे अधिकार विभाग प्रमुख डीजीपी के लिए मांगे गए थे। इस प्रस्ताव को गृह विभाग ने पहले वित्त विभाग को भेजा, वहां से प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया। बता दें, 2026 में अगस्त तक ही 308 करोड़ से ज्यादा की साइबर ठगी हो चुकी है। इन अपराधों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आधुनिक सॉफ्टवेयर्स की जरूरत है।

प्रदेश को 9 पुरस्कारों की उम्मीद: देपालपुर की जोड़ी से इंदौर आगे, आदमपुर खंती से पिछड़ी राजधानी

स्वच्छता सर्वेक्षण से भोपाल बाहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नतीजे बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में घोषित होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस बार मध्य प्रदेश को कुल 9 पुरस्कार मिलने की उम्मीद है। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर के साथ बुधनी, देपालपुर, देवास और सागर भी सम्मानित होंगे।

हालांकि, प्रदेश की राजधानी भोपाल इस बार पुरस्कारों की दौड़ से बाहर है। पिछली बार 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में देश में दूसरे स्थान पर रहे भोपाल को इस बार समारोह का न्योता तक नहीं मिला है।इस बार बड़ी श्रेणी के पांच शहरों में भोपाल शामिल नहीं है। वहीं, सुपर स्वच्छ लीग में इंदौर और देपालपुर की जोड़ी को पुरस्कार मिल सकता है।

दोनों शहरों को समारोह में शामिल होने का बुलावा मिला है, जबकि भोपाल और बैरसिया को आमंत्रित नहीं किया गया। ऐसे में इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर के साथ स्वच्छ शहर जोड़ी का पुरस्कार भी मिल सकता है।

4751 से अधिक शहरों का 43 संकेतकों पर हुआ मूल्यांकन

स्वच्छ सर्वेक्षण का यह 10वां संस्करण है। इसमें देशभर के 4751 से अधिक शहरों का मूल्यांकन किया गया है। नई दिल्ली में होने वाले समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री तोखन साहू भी मौजूद रहेंगे। इस बार सर्वेक्षण की थीम 'स्वच्छता की नई पहल-बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' रखी गई थी।

43 संकेतों का आकलन किया

शहरी निकायों का 10 प्रमुख क्षेत्रों के 43 संकेतकों पर आकलन किया गया। इनमें कचरे का पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण और परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक स्थानों की सफाई, स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच, सीवेज प्रबंधन, नागरिकों की भागीदारी और सफाई कर्मचारियों का कल्याण शामिल हैं।

देशभर में 3 हजार से अधिक प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं ने मौके पर जाकर शहरों की स्थिति जांची। पूरी प्रक्रिया डिजिटल और जीपीएस आधारित निगरानी से की गई।

'स्वच्छ शहर जोड़ी' में इंदौर-देपालपुर को मिल सकता है पुरस्कार

इस बार 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 70 मेंटर शहरों को 191 अन्य शहरों से जोड़ा गया था। इसका उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों के अनुभव साझा कर दूसरे शहरों में कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था सुधारना है। इस पहल में इंदौर की जोड़ी देपालपुर और भोपाल की जोड़ी बैरसिया से बनाई गई थी। फिलहाल इंदौर-देपालपुर की जोड़ी को पुरस्कार मिलने की संभावना जताई जा रही है।दोनों शहरों को समारोह का न्योता मिला है। ऐसे में इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर और स्वच्छ शहर जोड़ी, दो श्रेणियों में पुरस्कार मिल सकते हैं।



सात साल की मेहनत के बाद टॉप-2, अब दौड़ से बाहर

भोपाल ने लगातार सात साल की मेहनत के बाद पिछली स्वच्छता रैंकिंग में देश के दूसरे सबसे स्वच्छ शहर का मुकाम हासिल किया था। लेकिन इस बार शहर को राष्ट्रीय पुरस्कारों की दौड़ में जगह नहीं मिली। इसकी बड़ी वजह आदमपुर छावनी में जमा करीब 5 लाख टन पुराने कचरे का निपटान नहीं होना माना जा रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण चल रहा है।जिम्मेदारों के मुताबिक, स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान शहरों की मैदानी स्थिति जांचने के लिए तीन टीमें आनी थीं। जून-जुलाई में पहली टीम ही भोपाल पहुंची, लेकिन दूसरी टीम का इंतजार होता रहा।अधिकारियों का मानना है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में इसका असर शहर की रैंकिंग पर पड़ा। हालांकि, पुरस्कारों के लिए भोपाल को आमंत्रण नहीं मिलने के पीछे की आधिकारिक वजह स्पष्ट नहीं है।

भोपाल निगम ने बैरसिया में भी किया था काम

सुपर स्वच्छ लीग के तहत बड़े शहरों को छोटे शहरों की मेंटरिंग कर वहां सफाई व्यवस्था सुधारने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी के तहत भोपाल नगर निगम ने बैरसिया में काम किया था। मुख्य सड़कों और बाजारों से धूल हटाने के लिए निगम ने अपनी मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें बैरसिया भेजी थीं। बाजारों में दुकानदारों को डस्टबिन रखने और घरों में कचरा अलग-अलग रखने के लिए थ्री-बिन सिस्टम अपनाने के लिए प्रेरित किया गया था।

पिछली बार भोपाल को मिले थे 12,067 अंक, 7 स्टार रेटिंग भी

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में भोपाल ने 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देश में दूसरा स्थान हासिल किया था। शहर को कुल 12,500 अंकों में से 12,067 अंक मिले थे।इसमें सर्वेक्षण के 10 हजार अंकों में से 9,567 और सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 2,500 में से पूरे अंक शामिल थे। भोपाल को कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में 7 स्टार रेटिंग भी मिली थी। इसके साथ ही शहर ने सबसे स्वच्छ राजधानी और वाटर+ सिटी का गौरव भी बरकरार रखा था।

वहीं दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष शाबिस्ता जकी ने इसके लिए नगर निगम की कार्यप्रणाली और कचरा प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए खर्च होने और बड़े-बड़े दावों के बावजूद शहर अपनी पहचान खो बैठा।



आचार्य श्री के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

भोपाल। रानी कमलापति स्थित विद्योदय तीर्थ में आचार्य समयसागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान एवं धर्म आराधना हो रही है। भगवान आदिनाथ के अभिषेक, विशेष पूजन, नमोकार मंत्र की स्वर लहरियों से तीर्थ परिसर भक्तिमय बना हुआ है। चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक मनोज बांगा एवं स्वागत अध्यक्ष अखिलेंद्र जैन ने बताया कि समाज की प्रतिभा स्थली की बहनों सहित देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और त्यागी-व्रती आचार्य श्री के दर्शन एवं आराधना के लिए पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर आचार्य श्री ने जीवन की जटिलताओं और उलझनों से दूर रहने के लिए सात्विक जीवनशैली, विनम्रता अपनाने का संदेश दिया।



भाई दूज पर महापौर ने किया ननि कर्मचारियों का सम्मान

भोपाल। भाई दूज के पावन पर्व के अवसर पर आज महापौर श्रीमती मालती राय ने निवास पर नगर निगम कर्मचारियों का सम्मान किया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान, श्रीमती आरती अनेजा एवं निगम अधिकारी गण उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

एशियन वुमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी: पहली बार मेजबानी करेगा मप्र, 6 देशों की टीमें उतरेंगी

मंत्री सारंग ने किया लोगो-ट्रॉफी का अनावरण

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक एशियन वुमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 के मुकाबले खेले जाएंगे। मध्य प्रदेश पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा, जहां भारत समेत छह देशों की शीर्ष महिला हॉकी टीमें खिताब के लिए मैदान में उतरेंगी। भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। इसमें करीब 150 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगी।

आज खेल मंत्री विश्वास सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में प्रतियोगिता के आधिकारिक लोगो और ट्रॉफी का अनावरण किया। इस दौरान ट्रॉफी टूर का भी शुभारंभ किया गया। यह ट्रॉफी 11 से 19 नवंबर तक प्रदेश के सभी संभागों में पहुंचेगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया करेंगे। इसी अवसर पर अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रथम चरण का लोकार्पण भी होगा।



खेल मंत्री विश्वास सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में प्रतियोगिता के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया।

फ्लड लाइट में होंगे डे-नाइट मुकाबले, एंट्री फ्री

करीब 5 हजार दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में फ्लड लाइट की रोशनी में मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतिदिन तीन डे-नाइट मैच आयोजित होंगे। दर्शकों के लिए सभी मुकाबलों में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। प्रतियोगिता का स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और हॉटस्टार पर दुनिया के 166 देशों में लाइव प्रसारण किया जाएगा। मेजबान भारत का पहला मुकाबला 19 नवंबर को मलेशिया से होगा।

हॉकी के साथ दिखेगी जनजातीय संस्कृति

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान खेल के साथ मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान भी दुनिया के सामने रखी जाएगी। आयोजन स्थल पर जनजातीय व्यंजन, हस्तशिल्प और लोककलाओं के विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से प्रदेश की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक खानपान और लोककलाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। आयोजन से प्रदेश में खेल पर्यटन और खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी के साथ मध्यप्रदेश की खेल शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को वैश्विक पहचान मिलेगी। नवंबर का पूरा महीना हॉकी खेल के लिए समर्पित रहेगा।

18 को उत्तरप्रदेश में प्रवेश करेगी यात्रा

आज से फिर शुरू होगी दिग्गी की 'सत्य सनातन यात्रा'

भोपाल। दिवाली ब्रेक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आज से एक बार फिर अपनी 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं। 20 अक्टूबर को उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर शुरू हुई यह यात्रा 5 नवंबर को राघौगढ़ के पाटई आश्रम में रुकी थी। 5 दिनों के त्योहार विराम के बाद दिग्गी राजा का यह कारवां आरोन (गुना) से अपनी अगली मंजिल के लिए रवाना होगा।

मध्य प्रदेश के 8 जिलों और 16 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए यह यात्रा 18 नवंबर को उत्तर प्रदेश की सीमा में दाखिल होगी। 18 नवंबर को UP में एंट्री, चंदेरी से राजघाट बांध होकर



गुजरेंगे। शेड्यूल के मुताबिक, मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के चंदेरी में दिल्ली दरवाजा और हथकरघा ग्राम प्राणपुर से होते हुए पदयात्रा 18 नवंबर की दोपहर बेतवा नदी (राजघाट बांध चौराहा) पहुंचेगी। यहीं से दिग्गी राजा मध्य प्रदेश की सीमा लांघकर उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में प्रवेश कर जाएंगे।

खिलौने बनाकर प्रकृति से जुड़ रहे बच्चें, कल्पनाशक्ति और कौशल को मिल रहा बढ़ावा

जबलपुर के आंगनवाड़ी केंद्रों में 'माटी अनमोल' नवाचार से निखर रही बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा

नन्हें हाथों से आकार ले रही मिट्टी, खेल-खेल में प्रकृति का महत्व सीख रहे आंगनवाड़ी के बच्चें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कहीं नन्हें हाथ मिट्टी से हाथी-घोड़े बना रहे हैं, तो कहीं छोटी-छोटी मटकियां, दीये और मनपसंद आकृतियां आकार ले रही हैं। मिट्टी को गूंथते, उसे आकार देते और प्राकृतिक रंगों से सजाते हुए बच्चे न केवल अपनी कल्पनाओं को साकार कर रहे हैं, बल्कि खेल-खेल में प्रकृति और मिट्टी का महत्व भी समझ रहे हैं। जबलपुर जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में 'प्रकृति से जोड़ो' अभियान के अंतर्गत संचालित 'माटी अनमोल' नवाचार बच्चों के लिए आनंद और अनुभव से सीखने का माध्यम बन रहा है। इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक गुरुवार को बच्चे मिट्टी से विभिन्न खिलौने और कलात्मक वस्तुएं बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखार रहे हैं।



महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) गतिविधियों के अंतर्गत संचालित इस नवाचार का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के करीब लाना और उन्हें मिट्टी के महत्व से परिचित कराना है। मिट्टी को छूने, गूंथने और अलग-अलग आकृतियों में ढालने की गतिविधियों से बच्चों की कल्पनाशक्ति, एकाग्रता, सूक्ष्म शारीरिक कौशल और हाथों व आंखों के समन्वय को बढ़ावा मिल रहा है। रोचक गतिविधियों से आंगनवाड़ी केंद्रों के प्रति बच्चों का आकर्षण बढ़ाने और उनकी नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करने में भी मदद मिल रही है।

जान रहे प्रकृति और पर्यावरण का महत्व

'माटी अनमोल' गतिविधि में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित मिट्टी उपलब्ध कराती हैं। बच्चें अपनी रुचि के अनुसार मिट्टी से खिलौने, बर्तन, पशु-पक्षी और विभिन्न आकृतियां बनाते हैं। इन्हें धूप में सुखाने के बाद गेरू, पीली मिट्टी तथा अन्य उपयुक्त प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता है। इस दौरान बच्चों को सरल और रोचक तरीके से बताया जाता है कि मिट्टी में पेड़-पौधे उगते हैं, इससे अन्न मिलता है और मिट्टी से घड़े, दीये तथा अनेक उपयोगी वस्तुएं बनाई जाती हैं। इस प्रकार बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव के साथ पर्यावरण संरक्षण की समझ भी विकसित की जा रही है।

मध्यप्रदेश में मिक्स्ड लैंड यूज लागू

सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्रों में नहीं बनेंगे मॉल और मल्टीप्लेक्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकार ने अलग-अलग रीजन के लिमध्यप्रदेश में अब 24 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़क पर स्थित अनुमोदित आवासीय कॉलोनियों के भूखंडों में प्रतिबंधित गतिविधियों को छोड़कर अन्य अनुमत व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी। वहीं, सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स और आवासीय उपयोग पर रोक रहेगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 37 में संशोधन कर अलग-अलग भूमि उपयोग क्षेत्रों के लिए गतिविधियों की अनुमति और प्रतिबंध तय किए हैं। यह संशोधन 5 नवंबर को जारी किया गया है।

संशोधित नियमों के तहत भूमि और भवनों का मिश्रित उपयोग किया जा सकेगा। यह व्यवस्था क्षैतिज (हॉरिजॉन्टल) और ऊर्ध्वाधर (वर्टिकल), दोनों तरह से लागू होगी। हालांकि संबंधित भूमि उपयोग क्षेत्र के लिए तय प्रतिबंधित गतिविधियों का पालन करना अनिवार्य होगा। नए नियमों के अनुसार हर भूमि उपयोग क्षेत्र में सामान्य तौर पर गतिविधियां अनुमत मानी जाएंगी, लेकिन संबंधित क्षेत्र की प्रतिबंधित सूची में शामिल गतिविधियां नहीं की जा सकेंगी। आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक, सार्वजनिक उपयोगिता, यातायात एवं परिवहन, मिश्रित तथा मनोरंजन एवं हरित क्षेत्रों के लिए अलग-अलग प्रतिबंध तय किए गए हैं।

आवासीय क्षेत्रों में ये गतिविधियां प्रतिबंधित

आवासीय क्षेत्रों में हथियार और गोला-बारूद का भंडारण, डामर मिश्रण प्लांट, ईंट भट्ठे, श्मशान एवं कब्रिस्तान, कंक्रीट बैचिंग प्लांट, डेयरी और कुक्कुट पालन उद्योग, ई-वेस्ट प्रसंस्करण, विस्फोटक एवं पटाखा निर्माण, गैस गोदाम, भारी विनिर्माण उद्योग, खनन, स्टोन क्रशर और कबाड़ भंडारण पर रोक रहेगी। इसके अलावा वेधशाला, पेट्रोल और ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण, प्रदूषणकारी उद्योग, परिवहन एवं ट्रक टर्मिनल और थोक व्यापार जैसी गतिविधियां भी प्रतिबंधित रहेंगी। वाणिज्यिक क्षेत्रों में भारी उद्योग, खतरनाक रसायनों का भंडारण, विस्फोटक निर्माण, खनन, कबाड़ यार्ड, वेधशाला, रेडीमिक्स कंक्रीट प्लांट और ठोस अपशिष्ट लैंडफिल प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा आवासीय क्षेत्रों के लिए प्रतिबंधित गतिविधियां भी यहां नहीं की जा सकेंगी। औद्योगिक क्षेत्रों में अनुमति वाले स्टाफ आवास को छोड़कर आवासीय उपयोग, स्कूल-कॉलेज, संक्रामक रोगों के अस्पताल, तेल भंडारण डिपो, सुअर पालन, कारागार, गोदाम, थोक भंडार, धरोहर संरक्षण गतिविधियां और पर्यावरणीय संवेदनशील उपयोग सहित निर्धारित गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी।

नई विमानन नीति लाएगी सरकार



एविएशन सेक्टर में निवेश को मिलेगा बढ़ावा, मिलेगा नया हेलीकॉप्टर

भोपाल। राज्य सरकार प्रदेश में नई विमानन नीति-2027 (एविएशन पॉलिसी) लाएगी। इसका प्रारूप तैयार किया गया है। वल्लभ भवन मंत्रालय में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल द्वारा ली गई वरिष्ठ सचिव समिति की बैठक में प्रस्तावित नीति के प्रारूप पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव, विमानन, नगरीय विकास एवं आवास, वित्त सहित अन्य विभागों के अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव उपस्थित रहे।

नई नीति को निवेश अनुकूल बनाया जाएगा। इस प्रस्तावित नीति में विमान और हेलीकॉप्टर के उपकरण बनाने वाली कंपनियों को मप्र में निवेश करने पर अनुदान, रियायती दर पर भूमि, बिजली, पानी उपलब्ध कराने जैसे प्रावधान प्रस्तावित हैं।

नीति में पायलट को प्रशिक्षण देने वाले स्कूल व ट्रेनिंग सेंटर को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रस्तावित नीति में हवाई नेटवर्क, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पर्यटन व आपातकालीन सेवाओं के विस्तार के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। बैठक में राज्य सरकार के नए जेट विमान के संचालन को लेकर भी चर्चा हुई। साथ ही नए हेलीकॉप्टर को लेकर हुई चर्चा में बताया गया कि अगले माह दिसंबर तक नया हेलीकॉप्टर आ जाएगा। यह अलग-अलग पार्ट में जहाज से पहले मुंबई पहुंचेगा। फिर असेंबल होगा।

अंगारेश्वर और गढ़कालिका तीर्थ क्षेत्र का होगा कायाकल्प

सिंहस्थ 2028 से पहले 1200 करोड़ रुपए से संवरेगी महाकाल की नगरी

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन से पहले उज्जैन को धार्मिक पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार ने विकास कार्यों की रफ्तार तेज कर दी है। शहर में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के नए विकास और जीर्णोद्धार कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। इनमें धार्मिक स्थलों के विकास के साथ सड़क, सीवर और मेला क्षेत्र की अधोसंरचना को मजबूत करने से जुड़े काम शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में धार्मिक पर्यटन का नया दौर शुरू हुआ है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और बाबा महाकाल महालोक इसी दूरदृष्टि के परिणाम हैं। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन के तीर्थ क्षेत्रों का स्वरूप 360 डिग्री बदल गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने से उज्जैन में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसका असर शहर की अर्थव्यवस्था और स्थानीय गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है। सरकार की प्राथमिकता केवल धार्मिक स्थलों का विकास करना नहीं, बल्कि उनके आसपास यातायात, आवास, स्वच्छता और दूसरी जरूरी सुविधाओं का विस्तार करना भी है। इसी सोच के तहत उज्जैन सहित प्रदेश के दूसरे स्तर के शहरों में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिप्रा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध अंगारेश्वर महादेव मंदिर का विकास भी प्रस्तावित कार्यों में शामिल है। यह प्राचीन शिव मंदिर 84 महादेव यात्रा के प्रमुख पड़ावों में से एक है। पृथ्वी पर जीवों की 84 लाख योनियों की मान्यता से जुड़ी इस धार्मिक परंपरा में मंदिर का विशेष महत्व है। इसके साथ ही उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल गढ़कालिका माता मंदिर के तीर्थ क्षेत्र का भी विकास किया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और इन धार्मिक स्थलों की पहचान को व्यापक स्तर पर स्थापित किया जा सकेगा।



17 नवंबर को चिड़ियाघर और बचाव केंद्र का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के विकास को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने बताया कि 17 नवंबर को शहर में बहुप्रतीक्षित चिड़ियाघर और वन्यजीव बचाव केंद्र का भूमि-पूजन किया जाएगा। इससे उज्जैन के पर्यटन आकर्षण में एक नया अध्याय जुड़ेगा। धार्मिक पर्यटन के साथ शहर में परिवारों और बच्चों के लिए भी पर्यटन की नई संभावनाएं विकसित होंगी। सड़क चौड़ीकरण के कारण प्रभावित होने वाले परिवारों और व्यापारियों के पुनर्वास को लेकर मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि जो परिवार सड़क चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से अपने मकान छोड़ेंगे, उन्हें बहुमंजिला इमारतों में निःशुल्क आवास उपलब्ध कराया जाएगा। जिन दुकानदारों की दुकानें विकास कार्यों के कारण टूट रही हैं, उनके लिए उज्जैन की खाली जमीन पर नया बाजार विकसित कर दुकानें आवंटित की जाएंगी। सरकार विकास के साथ प्रभावित परिवारों और व्यापारियों के हितों का भी ध्यान रखेगी।

किसानों को जमीन के बदले चार गुना मुआवजा

सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को चार गुना मुआवजे के चेक प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन में विकास कार्यों के साथ आम नागरिकों, किसानों और व्यापारियों के हितों का संरक्षण भी सरकार की जिम्मेदारी है।

एमपी में बस सेवाओं की गुणवत्ता और राजस्व की होगी कड़ी निगरानी

मुख्य सचिव की अध्यक्षता कमेटी गठित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण समिति का गठन किया गया है। यह समिति मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के तहत संचालित बस सेवा की निगरानी करेगी। योजना के तहत चल रही परिवहन सेवाओं का प्रभावी अधीक्षण, अनुश्रवण और मूल्यांकन करेगी। बसों के संचालन से होने वाली राजस्व संग्रहण और वित्तीय पारदर्शिता की नियमित समीक्षा करेगी।

यह समिति राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी, सहायक क्षेत्रीय कंपनियों और जिला स्तरीय यात्री परिवहन समितियों के माध्यम से राज्य में सुगम, सुरक्षित, दक्ष एवं विनियमित परिवहन सेवा की समीक्षा कर सुधार के लिए अनुशंसाएं भी करेगी। बस परिवहन के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर (अधोसंरचना) के निर्माण, संचालन, रखरखाव और उसके अपग्रेडेशन के लिए आवश्यक सलाह देगी। बस सेवाओं की गुणवत्ता और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार को सुझाव भी देगी।

समिति में नगरीय विकास एवं आवास, गृह, वित्त, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण विभाग और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पीटीआरआइ सदस्य बनाए गए हैं। वहीं परिवहन विभाग के सचिव समिति के सदस्य सचिव होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा यह निर्णय मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के अंतर्गत मंत्रि-परिषद् की बैठक और मप्र यात्री परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के निदेशक मंडल से मिली सहमति के बाद लिया गया है।



जनजातीय मंत्रणा परिषद में तीन नए सदस्य नियुक्त

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली जनजातीय मंत्रणा परिषद में तीन नए गैर-विधायकों को सदस्य नियुक्त किया गया है। इनमें जबलपुर की एडवोकेट शिवालिका वाढीवा, झाबुआ के राजाराम कटारा और खंडवा के प्रवीण कास्डे की नियुक्ति की गई है। इस परिषद का मुख्य दायित्व राज्यपाल द्वारा परामर्श के लिए भेजे गए जनजातियों के कल्याण, विकास और सुरक्षा से संबंधित विषयों पर सलाह देना है। राज्य सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के पदेन मंत्री परिषद के उपाध्यक्ष होते हैं। जनजातीय कार्य विभाग ने दो साल पहले 30 जून 2024 को राज्य जनजातीय मंत्रणा परिषद का गठन किया था। अब इसमें तीन नए गैर-विधायक भी सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए हैं।

एमपी बोर्ड परीक्षा पैटर्न में बड़ा बदलाव

अब रटने से नहीं चलेगा काम, पूछे जाएंगे एप्लीकेशन बेस्ड सवाल 10वीं-12वीं के सैंपल पेपर जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में इस बार विद्यार्थियों को रटकर नहीं, बल्कि समझकर पढ़ाई करनी होगी। मंडल ने सत्र 2026-27 की परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के पैटर्न में बदलाव किया है। अब विद्यार्थियों से सीधे सवाल पूछने के बजाय एप्लीकेशन बेस्ड यानी विषयों की अवधारणाओं और व्यावहारिक समझ पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे।

इसके लिए विद्यार्थियों को पूरी किताब पढ़नी होगी। वहीं, प्रश्नपत्रों में दो अंकों के अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में आंतरिक विकल्प की सुविधा समाप्त कर दी गई है। इसके अलावा 10वीं में इस वर्ष बेस्ट आफ फाइव योजना भी लागू नहीं होगी। ऐसे में विद्यार्थियों को सभी छह विषयों में पास होना अनिवार्य होगा। माशिमं की कार्यपालिका समिति की बैठक में प्रश्नपत्रों के आंतरिक विकल्पों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। नए निर्देशों के अनुसार मुख्य विषयों के प्रश्नपत्रों में दो अंकों के अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में विकल्प नहीं दिए जाएंगे।



रटने के बजाय समझकर पढ़ना होगा

एप्लीकेशन बेस्ड प्रश्न पूछे जाने से विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय की मूल अवधारणाओं को समझना होगा। केवल महत्वपूर्ण प्रश्नों और चुनिंदा अध्यायों की तैयारी करना पर्याप्त नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने भी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि विद्यार्थियों को पूरे पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जाए, ताकि किताब के किसी भी हिस्से से सवाल आने पर वे उसे हल कर सकें। माशिमं ने सत्र 2026-27 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए सैंपल पेपर जारी कर दिए हैं। इनमें विषयवार प्रश्नों और अंकों के वितरण की जानकारी दी गई है। स्कूलों में विद्यार्थियों को सैंपल पेपर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे नए पैटर्न के अनुसार अभ्यास कर सकें। मप्र बोर्ड की परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होंगी। इसमें 16 लाख से अधिक परीक्षार्थियों के शामिल होने की संभावना है।

नियमित पढ़ाई और अभ्यास जरूरी

वरिष्ठ काउंसलर शबनम खान का कहना है कि नए परीक्षा पैटर्न में विद्यार्थियों को विषयों को समझकर लिखकर प्रैक्टिस करने पर ध्यान देना चाहिए। नियमित पढ़ाई के साथ सैंपल पेपर हल करने से प्रश्नों के स्वरूप को समझने और समय प्रबंधन में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों को किसी भी अध्याय को छोड़ने के बजाय पूरे पाठ्यक्रम की तैयारी करनी चाहिए।

इस बार बोर्ड परीक्षा में अति लघुउत्तरीय प्रश्नों से विकल्प को समाप्त किया गया है। साथ ही एप्लीकेशन बेस्ड सवाल पूछे जाएंगे। प्रश्नों के पैटर्न को समझने के लिए सैम्पल पेपर जारी कर दिए गए हैं।

- बुद्धेश कुमार वैद्य, सचिव, माशिमं

भोपाल में अवैध शराब की बिक्री पर कलेक्टर का आदेश, कहा-

पंचायत सचिव, पटवारी, एएनएम तत्काल दें सूचना, एसडीएम-तहसीलदार को करे सूचित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में शराब की अवैध बिक्री, कच्ची शराब के निर्माण, भंडारण और परिवहन को लेकर जिला प्रशासन सख्त हुआ है। इसे रोकने के लिए गांव के पटवारी, एएनएम और पंचायत सचिव की मदद मांगी गई है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आदेश जारी कर पटवारी, एएनएम, पंचायत सचिव से कहा है कि यदि उनके यहां अवैध रूप से शराब की बिक्री या निर्माण हो रहा है तो तुरंत एसडीएम, तहसीलदार या नजदीकी थाना पुलिस को जानकारी दें। ताकि, कार्रवाई की जा सके जारी आदेश में संबंधित मैदानी अमले को निर्देश दिए कि गांव में अवैध शराब की बिक्री की जानकारी मिलते ही तत्काल सूचना दें। आदेश के अनुसार, गांव में कच्ची या अवैध शराब की बिक्री, लाइसेंसी दुकान से पैकारी, अथवा एजेंट, डायरी या किसी अन्य माध्यम से अवैध बिक्री की जानकारी मिलने पर निकटतम अनुविभागीय मजिस्ट्रेट, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी में से जो भी सबसे नजदीक हो, उसे तत्काल सूचित किया जाए। ये निर्देश ग्राम पंचायत सचिवों, पटवारियों, ग्राम पटेलों, कोटवारों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम को दिए गए हैं।



मेट्रो एंकर

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने जारी की पुलिस की सांख्यिकी डाटा पुस्तिका-2025,

एमपी पुलिस में 2673 नए पद बढ़े, थानों की संख्या हुई 1175

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस के संगठनात्मक विस्तार और संसाधनों में लगातार वृद्धि हो रही है। वर्ष 2025 में पुलिस बल के स्वीकृत पदों में 2673 की बढ़ोतरी हुई है, जबकि प्रदेश में पुलिस थानों की संख्या भी बढ़कर 1175 हो गई है। पुलिस वाहनों की संख्या में भी 50 का इजाफा दर्ज किया गया है। इन उपलब्धियों और पुलिस संगठन की स्थिति का पूरा लेखा-जोखा अब सांख्यिकी डाटा पुस्तिका-2025 में सामने आया है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में इस पुस्तिका का विमोचन किया। इस पुस्तिका में 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2025 तक के आंकड़े शामिल किए गए हैं। इसमें पुलिस बल की स्वीकृत संख्या, संगठनात्मक संरचना, आवासीय परिसरों, वाहनों, थानों और उपलब्ध संसाधनों से संबंधित जानकारियां संकलित की गई हैं। नए संस्करण में अनावश्यक और दोहराव वाले आंकड़ों को हटाकर महत्वपूर्ण जानकारियों को सरल और व्यवस्थित स्वरूप दिया गया है, ताकि पुलिस अधिकारियों को योजना बनाने और निर्णय लेने में आसानी हो। वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश पुलिस के स्वीकृत बल में कुल 2673 नए पद जोड़े गए हैं। इनमें सबसे अधिक 1266 पद तकनीकी सेवाओं यानी विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के हैं। इसके अलावा पुलिस बैंड में 932, हॉक फोर्स में 325 और उज्जैन जिला पुलिस बल में 150 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। इन पदों में वृद्धि से पुलिस संगठन की कार्यक्षमता और तकनीकी क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पुलिस थानों की संख्या में भी विस्तार हुआ है। वर्ष 2024 में प्रदेश में कुल 1173 पुलिस थाने थे। उज्जैन में दो नए थानों की स्थापना के बाद वर्ष 2025 में इनकी संख्या बढ़कर 1175 हो गई है। इससे स्थानीय स्तर पर पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने और कानून-व्यवस्था संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। पुलिस के परिवहन संसाधनों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में पुलिस के पास 1150 वाहन थे, जिनकी संख्या वर्ष 2025 में बढ़कर 1200 हो गई। इस तरह एक साल में 50 वाहन बढ़े हैं। इसके साथ ही पुलिस के आवासीय परिसरों के प्रतिशत में भी पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की गई है। डायल-112 सेवा से जुड़े आंकड़ों को भी नए संस्करण में अद्यतन किया गया है।



वेबसाइट पर मिलेगा डिजिटल संस्करण

पुलिस की यह सांख्यिकी पुस्तिका जल्द ही मध्यप्रदेश पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर डिजिटल स्वरूप में भी उपलब्ध होगी। इससे पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और अन्य संबंधित लोग आवश्यक आंकड़े आसानी से देख सकेंगे। पुस्तिका में उपलब्ध जानकारियां भविष्य की कार्ययोजनाएं बनाने, संसाधनों की जरूरत का आकलन करने और पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में मददगार होंगी। विमोचन के अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक योजना योगेश चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक योजना अभय सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक विनीत कपूर सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उम्मीद की नई किरण

मध्य-पूर्व लंबे समय से बारूद के ढेर पर बैठा है। इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष, गाजा की तबाही, लेबनान में तनाव और ईरान-इजराइल के बीच टकराव ने पूरे क्षेत्र को अस्थिरता के ऐसे दौर में पहुंचा दिया है, जिसका असर केवल अरब देशों तक सीमित नहीं रहा। ऊर्जा बाजार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था तक इसकी तपिश महसूस की गई है। ऐसे में क्षेत्र में शांति की संभावनाओं के संकेत मिलना पूरी दुनिया के लिए राहत और उम्मीद की बात है।

शांति की हर पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी समझना होगा कि युद्धविराम और स्थायी शांति दो अलग-अलग बातें हैं। बंदूकें कुछ समय के लिए शांत हो जाएं, यह अच्छी शुरुआत हो सकती है, मगर जब तक संघर्ष के मूल कारणों का समाधान नहीं होगा, तब तक हिंसा दोबारा सिर उठाने का खतरा बना रहेगा। गाजा के लोगों का पुनर्वास, मानवीय सहायता की निर्बाध पहुंच, इजराइल की सुरक्षा और फिलिस्तीनियों के राजनीतिक अधिकार जैसे सवाल किसी भी स्थायी समझौते के केंद्र में होने चाहिए।

ताजा कूटनीतिक गतिविधियां भी इसी दिशा में उम्मीद जगाती हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए कतर की मध्यस्थता से बातचीत के प्रयास चल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद युद्ध समाप्त करने की दिशा में सकारात्मक प्रगति के संकेत दिए हैं। प्रस्ताव के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बहाल करने के बदले अमेरिकी नाकेबंदी में ढील और ईरान को राहत देने जैसे विकल्पों पर विचार हो रहा है। हालांकि परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों को लेकर दोनों पक्षों के बीच गंभीर मतभेद कायम हैं। ईरान की ओर से भी फिलहाल अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार किया गया है।

11 नवंबर 2026 पर विशेष

भाई दूज: रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक

ललित गर्ग
स्तंभकार



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भाई दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भाई दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।



पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोड़ा। इसीलिए भाई दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भाई दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। 'चमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।' भाई दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। 'कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी' वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भाई दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भाई दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भाई दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता।

भाई दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बढ़ता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भाई दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भाई दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

जलवायु संकट का असली चेहरा : किसकी जिंदगी, किसकी आजीविका?

कुमार कृष्णन
स्तंभकार



जलवायु परिवर्तन की सबसे भयावह तस्वीर केवल पिघलते हिमखंडों, सूखती नदियों या जंगलों में लगी आग में नहीं दिखती। वह उस मजदूर के शरीर पर भी दर्ज होती है, जो दोपहर की झुलसाती धूप में काम करने को मजबूर है; उस किसान की चिंता में भी, जिसकी फसल मौसम की अनिश्चितता से जूझ रही है; और उस बुजुर्ग की सांसों में भी, जिसके लिए बढ़ती गर्मी अब महज असुविधा नहीं, जानलेवा खतरा बनती जा रही है। धरती का बढ़ता तापमान अब केवल पर्यावरण का सवाल नहीं है। यह स्वास्थ्य, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक न्याय का संकट है। असली सवाल है कि गर्म होती धरती पर सबसे पहले किसका जीवन और किसकी आजीविका संकट में पड़ रही है?



तुर्किये के अंताल्या में 9 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-31 इसी सवाल की कसौटी है। दुनिया के देश इस सम्मेलन में उत्सर्जन में कटौती, जलवायु अनुकूलन, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग पर विचार कर रहे हैं। जलवायु अनुकूल शहर, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और आपदाओं का सामना करने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणालियां भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। लेकिन इस वैश्विक विमर्श की सबसे बड़ी चुनौती है कि जलवायु परिवर्तन से प्रभावित आम लोगों की जिंदगी को नीतियों और समझौतों के केंद्र में कैसे लाया जाए। कॉप-31 में भारत का उद्घाटन वक्तव्य इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत ने जलवायु बहुपक्षवाद और समानता तथा साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों एवं संबंधित क्षमताओं यानी सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव नरेंद्र भूषण ने भारत का पक्ष रखते हुए निष्पक्ष, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी परिणाम का आह्वान किया। भारत ने जी-77 और चीन, एलएमडीसी तथा बेसिक समूहों के वक्तव्यों के साथ अपनी सहमति जताई। उसने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय और पेरिस समझौते को ऐसा समावेशी मंच बताया, जहां प्रत्येक देश की आवाज सुनी जा सकती है। भारत ने सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों की सराहना करते हुए संवाद, आम सहमति और कार्रवाई पर आधारित कार्यान्वयन-केंद्रित दृष्टिकोण का स्वागत किया। यह दृष्टिकोण इसलिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु वार्ताओं में घोषणाओं और जमीन पर वास्तविक कार्रवाई के बीच अक्सर लंबी दूरी दिखाई देती है। संवाद से विश्वास पैदा होता है, आम सहमति से सामूहिक जिम्मेदारी तय होती है और कार्रवाई से वादे वास्तविक प्रगति में बदलते हैं। लेकिन इनकी सार्थकता तभी है, जब जलवायु संकट का सामना कर रहे कमजोर समुदायों तक उसका लाभ पहुंचे।

वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य गंभीर दबाव में है। इसके पार जाने की आशंका केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत नहीं है। इससे गर्मी, सूखा, बाढ़ और चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ेगा। ऐसे में समानता का महत्व और बढ़ जाता है। जिन देशों का ऐतिहासिक उत्सर्जन में योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है, वे अक्सर जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। इसलिए सभी देशों से समान प्रकार की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा न्यायसंगत नहीं हो सकती। जलवायु न्याय का तकाजा है कि जिम्मेदारियों का निर्धारण ऐतिहासिक उत्सर्जन, आर्थिक क्षमता और विकास संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर हो।

लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट संकट की मानवीय कीमत सामने रखती है। इसके अनुसार, 2016 से 2025 के दौरान गर्मी से संबंधित वार्षिक मौतों में लगभग 36 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2023 में दुनिया भर में गर्मी से जुड़ी करीब 7.1 लाख मौतों का अनुमान लगाया गया, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक मौतें मानवजनित जलवायु परिवर्तन से बढ़े तापमान से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया की 60.7 प्रतिशत भूमि पर कम-से-कम एक महीने तक अत्यधिक सूखे की स्थिति रही। यह 1951-1960 के औसत से 299 प्रतिशत अधिक थी। सूखा केवल पानी की कमी नहीं पैदा करता, बल्कि खेती, पेयजल, पोषण और ग्रामीण आजीविका को भी प्रभावित करता है।

भारत में इस संकट की आर्थिक और सामाजिक कीमत विशेष रूप से गंभीर है। लैंसेट काउंटडाउन की 2025 की भारत-विशिष्ट रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण देश में 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट हुए। इनमें लगभग दो-तिहाई नुकसान कृषि क्षेत्र और करीब पांचवां हिस्सा निर्माण क्षेत्र से जुड़ा था। गर्मी के कारण काम करने की क्षमता में आई कमी से संभावित आय का नुकसान 194 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया। यह वास्तविक वेतन कटौती नहीं, बल्कि प्रभावित श्रम क्षमता की अनुमानित आर्थिक कीमत है। फिर भी यह आंकड़ा बताता है कि गर्मी का संकट अर्थव्यवस्था के सबसे कमजोर श्रम समूहों को किस हद तक प्रभावित कर रहा है। इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की कहानी है, जिनकी आमदनी घटती है, बचत इलाज में खर्च होती है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। दिहाड़ी मजदूर के लिए तेज गर्मी में काम रोकना आसान नहीं है। काम छोड़े तो कमाई बंद, जारी रखे तो निर्जलीकरण, लू और तापाघात का खतरा। उसके सामने कई बार स्वास्थ्य और भूख के बीच चुनाव करने की मजबूरी होती है।

विकास का अर्थ केवल उत्पादन और आर्थिक वृद्धि नहीं हो सकता। उसमें नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और सम्मान की सुरक्षा भी शामिल होनी चाहिए। यदि मजदूर अपनी जान जोखिम में डालकर काम करे, बुजुर्ग गर्मी से बचने की सुविधा के अभाव में दम तोड़ें और गरीब परिवार बीमारी तथा घटती आमदनी के बीच फंसे रहें, तो विकास के आंकड़े इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकते। कॉप-31 की सार्थकता इसी में होगी कि जलवायु परिवर्तन को कूटनीतिक वार्ताओं से आगे बढ़ाकर जीवन, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का प्रश्न बनाया जाए। धरती कितनी गर्म होगी, यह महत्वपूर्ण है; लेकिन उससे भी बड़ा सवाल है कि उस गर्मी में किसका जीवन सुरक्षित रहेगा, किसकी आजीविका बचेगी और इस संकट की कीमत कौन चुकाएगा। वातानुकूलित दफ्तर में काम करने वाले व्यक्ति और खुले आसमान के नीचे सड़क बनाने वाले मजदूर के लिए एक ही तापमान का अर्थ अलग-अलग है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण मजदूर और खेतिहर श्रमिकों के पास गर्मी से बचने के पर्याप्त साधन नहीं होते। जलवायु संकट पहले से मौजूद आर्थिक असमानता को और गहरा करता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

यूरिक एसिड का सिर्फ जोड़ों के दर्द से नहीं, चर्बी और डायबिटीज से कनेक्शन

ब्लड टेस्ट में यूरिक एसिड बढ़ा हुआ आने पर ज्यादातर लोग इसे जोड़ों के दर्द या गठिया की समस्या से जोड़कर देखते हैं। लेकिन इसकी कहानी सिर्फ इतनी नहीं है। शरीर में यूरिक एसिड का बढ़ा स्तर मोटापा, पेट के आसपास जमा चर्बी, इंसुलिन रेजिस्टेंस और टाइप-2 डायबिटीज जैसी मेटाबॉलिक समस्याओं से भी जुड़ा हो सकता है। यानी यूरिक एसिड बढ़ना शरीर के मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी का एक संकेत भी हो सकता है। हालांकि, हर व्यक्ति में इसका अर्थ बीमारी होना नहीं है।



यूरिक एसिड शरीर में बनने वाला अपशिष्ट पदार्थ है। यह प्यूरिन नामक तत्वों के टूटने से बनता है। प्यूरिन शरीर की कोशिकाओं में प्राकृतिक रूप से मौजूद होते हैं और कुछ खाद्य पदार्थों से भी मिलते हैं। सामान्य स्थिति में किडनी खून से यूरिक एसिड को छानकर पेशाब के रास्ते बाहर निकाल देती है। लेकिन जब इसका उत्पादन ज्यादा होने लगे या किडनी इसे पर्याप्त मात्रा में बाहर न निकाल पाए, तो खून में इसका स्तर बढ़ जाता है। इस स्थिति को हाइपरयूरिसीमिया कहते हैं।

पेट के अंदरूनी हिस्से में अंगों के आसपास जमा होने वाली चर्बी को विसरल फैट कहते हैं। यह केवल मोटापे का संकेत नहीं है, बल्कि शरीर की मेटाबॉलिक सेहत को भी प्रभावित कर सकती है। अतिरिक्त चर्बी शरीर में सूजन से जुड़ी प्रक्रियाओं और इंसुलिन की कार्यप्रणाली पर असर डाल सकती है। कुछ शोधों में विसरल फैट और यूरिक एसिड के बढ़े स्तर के बीच संबंध पाया गया है। इसका अर्थ यह है कि कमर का बढ़ता घेरा और हाई यूरिक एसिड एक साथ दिखाई दे सकते हैं।

इंसुलिन हार्मोन खून में मौजूद ग्लूकोज को कोशिकाओं तक पहुंचाने में मदद करता है। जब कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं देतीं, तो इसे इंसुलिन रेजिस्टेंस कहते हैं। ऐसी स्थिति में शरीर को ब्लड शुगर नियंत्रित रखने के लिए अधिक इंसुलिन बनाना पड़ सकता है। इंसुलिन का बढ़ा स्तर किडनी द्वारा यूरिक एसिड बाहर निकालने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इससे यूरिक एसिड बढ़ने की आशंका रहती है। यूरिक एसिड बढ़ा होने पर केवल जोड़ों के दर्द का इंतजार न करें। डॉक्टर की सलाह से यूरिक एसिड के साथ ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल, ब्लड प्रेशर और किडनी की कार्यक्षमता की जांच कराएं। संतुलित भोजन लें, मीठे पेय और अत्यधिक चीनी से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाएं। वजन अधिक है तो धीरे-धीरे कम करने का प्रयास करें।

निशाना

गर फ़ितरत इंसानी आए...



मनोज साहू 'निडर'

जिसको बात बनानी आए,
उसको लाख कहानी आए।
रोना उतना ही अच्छा है,
जितना आंख में पानी आए।
लफ़्ज़ों में तहज़ीब रहे तो,
रिश्तों में आसानी आए।
हर ज़हरीला डंक थमेगा,
गर फ़ितरत इंसानी आए।
चालाकी आसान बहुत है,
मुश्किल से नादानी आए।
एक वही धनवान यहाँ पर,
जिसको नींद सुहानी आए।
तूफ़ानों से वो ही खेलें,
जिनको नाव बचानी आए।

टेक्नो अपडेट

इंसान और मशीन में फर्क करना मुश्किल एआई के आगे कैप्चा सुरक्षा कवच बेअसर

इंटरनेट पर किसी वेबसाइट को खोलते समय आपने कई बार एक छोटे से बॉक्स पर क्लिक किया होगा, जिसमें लिखा होता है- 'मैं इंसान हूं'। कभी ट्रैफिक लाइट, साइकिल या बस की तस्वीरें पहचानने को कहा जाता है, तो कभी टेढ़े-मेढ़े अक्षरों को पढ़कर लिखना पड़ता है। इसे कैप्चा (CAPTCHA) कहते हैं। लंबे समय से यह इंटरनेट पर इंसानों और स्वचालित कंप्यूटर प्रोग्राम यानी बॉट्स के बीच फर्क करने का सुरक्षा कवच रहा है। लेकिन अब आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने इस व्यवस्था को चुनौती दे दी है। एआई मॉडल इंसानों से भी तेजी से कैप्चा हल कर रहे हैं। इससे भारतीय बैंकिंग और ई-कॉमर्स कंपनियों की चिंता बढ़ गई है।



पुराने कैप्चा सिस्टम में वेबसाइट यूजर से कुछ तस्वीरें पहचानने या अक्षरों को पढ़ने के लिए कहती थीं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वेबसाइट इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति कोई इंसान है, न कि ऑटोमेटेड बॉट। लेकिन अब विजन-लैंग्वेज और मल्टीमॉडल एआई मॉडल तस्वीरों को समझने, उनमें मौजूद वस्तुओं की पहचान करने और मुश्किल सवालों के जवाब देने में सक्षम हो चुके हैं। अकामाई टेक्नोलॉजीज के अनुसार, आधुनिक एआई मॉडल कई तरह के विजुअल कैप्चा को इंसानों से भी तेजी और सटीकता से हल कर सकते हैं। इस चुनौती का असर केवल वेबसाइट की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। अब एआई एजेंट यूजर की ओर से इंटरनेट पर खरीदारी, बैंकिंग और दूसरे डिजिटल काम भी कर सकते हैं। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब लोग इन एजेंट्स को अपने बैंकिंग क्रेडेंशियल्स, ओटीपी या खातों तक पहुंच दे देते हैं।

अदृश्य सुरक्षा पर कंपनियों का जोर: पुराने कैप्चा की सीमाओं को देखते हुए टेक कंपनियां अब मल्टी-लेयर सुरक्षा व्यवस्था अपना रही हैं। इसमें केवल एक बॉक्स पर क्लिक कराने के बजाय यूजर के ब्राउजर का व्यवहार, टाइपिंग का तरीका, डिवाइस की पहचान और गतिविधियों के पैटर्न का विश्लेषण किया जाता है। कुछ सेवाएं मोबाइल बायोमेट्रिक्स और अतिरिक्त पहचान जांच का भी इस्तेमाल कर रही हैं। इसका मकसद संदिग्ध गतिविधियों को पहचानना है, बिना हर बार असली यूजर को परेशान किए। इस नई चुनौती के बीच भुगतान कंपनियां भी समाधान तलाश रही हैं। जीरोधा के सीटीओ कैलाश नाथ के मुताबिक, एआई एजेंट्स को पूरी तरह पहचानना या रोकना तकनीकी रूप से मुश्किल है। मास्टरकार्ड भारत में एजेंट पे फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है, जिसमें सत्यापित एआई एजेंट्स के लेन-देन को क्रिप्टोग्राफिक टोकन के जरिए पहचानने और ट्रैक करने की व्यवस्था होगी। वीजा भी ट्रस्टेड एजेंट प्रोटोकॉल विकसित कर रहा है। अब तक इंटरनेट सुरक्षा का सामान्य नियम था कि मशीन को इंसान बनने से रोका जाए। लेकिन एआई के दौर में चुनौती बदल गई है। अब यह तय करना भी जरूरी है कि कोई मशीन किसकी अनुमति से काम कर रही है और उसके किए गए लेन-देन की जिम्मेदारी किसकी होगी।

वायरल कंटेंट

विदेश में भारतीय पर्यटकों की हरकत वायरल एयरपोर्ट को बना लिया पिकनिक स्पॉट

विदेश घूमने जाना सिर्फ नई जगहें देखने और तस्वीरें खिंचवाने का मौका नहीं होता, बल्कि यह अपने देश और संस्कृति की छवि पेश करने का अवसर भी होता है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों पर किया गया व्यवहार भी मायने रखता है। इन दिनों वियतनाम के एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसमें भारतीय पर्यटकों का एक समूह एयरपोर्ट के फर्श पर बैठकर खाना खाता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने यात्रियों के व्यवहार और नागरिक शिष्टाचार पर सवाल उठाए हैं।



एयरपोर्ट के फर्श पर सज गई खाने की महफिल: वायरल वीडियो में यात्रियों का एक बड़ा समूह हवाई अड्डे के अंदर फर्श पर बैठा नजर आता है। उनके आसपास खाने-पीने का सामान रखा है और सभी एक साथ भोजन करते दिखाई देते हैं। दृश्य देखकर ऐसा लगता है, जैसे किसी पार्क में पिकनिक चल रही हो। जबकि एयरपोर्ट ऐसी जगह होती है, जहां यात्रियों के बैठने, खाने और इंतजार करने के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं होती हैं।

व्यवहार से बनती है देश की छवि: किसी दूसरे देश में पहुंचने पर पर्यटक सिर्फ अपनी निजी पहचान लेकर नहीं चलता, बल्कि उसके व्यवहार से उसके देश के बारे में भी धारणा बनती है। सार्वजनिक जगहों पर गंदगी फैलाना, रास्ता रोकना, शोर करना या तय व्यवस्था की अनदेखी करना दूसरों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। एयरपोर्ट जैसे स्थानों पर अनुशासन का महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि यहां अलग-अलग देशों के हजारों यात्री आते-जाते हैं। हर किसी को अपनी सुविधा के साथ दूसरों की सुविधा का भी ध्यान रखना होता है।

वीडियो सामने आने के बाद जहां कई लोगों ने यात्रियों की आलोचना की, वहीं यह बात भी ध्यान रखने योग्य है कि कुछ लोगों के व्यवहार को पूरे देश के नागरिकों से जोड़ना उचित नहीं है। भारत से हर साल बड़ी संख्या में लोग विदेश यात्रा करते हैं और जिम्मेदारी के साथ वहां के नियमों का पालन भी करते हैं। वियतनाम भारतीय पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में इस तरह के वीडियो एक जरूरी सवाल जरूर उठाते हैं कि विदेश घूमने जाने से पहले क्या हमें वहां के नियमों और सार्वजनिक व्यवहार के तौर-तरीकों की जानकारी नहीं रखनी चाहिए? आखिर अच्छी यात्रा की पहचान सिर्फ घूमने-फिरने से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी होती है।

10 साल से पैचवर्क के नाम पर खानापूर्ति, अब हादसों को न्योता

जर्जर तारादेही-महाराजपुर-देवरी रोड, 15 किमी का सफर डेढ़ घंटे में

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

सरकार भले ही सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के दावे कर रही हो, लेकिन तारादेही से महाराजपुर-देवरी तक करीब 15 किलोमीटर लंबा मार्ग इन दावों की हकीकत बयां कर रहा है। सड़क की हालत इतनी जर्जर है कि महज 15 किलोमीटर का सफर तय करने में डेढ़ घंटे तक लग रहे हैं। जगह-जगह डामर उखड़ चुका है और गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बने हुए हैं।

झमरा, खमतरा, झमारा सहित आसपास के गांवों के निवासी मनोज सिंह, रेवा प्रसाद, मनीराम और गुड्डू का आरोप है कि पिछले दस वर्षों से स्थायी निर्माण के बजाय पैचवर्क के नाम पर औपचारिकता निभाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी हालत नहीं सुधर रही। उन्होंने 10 वर्षों के मरम्मत कार्यों और खर्च की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

ओवरलोड वाहनों से बढ़ी परेशानी

घाट पुल बंद होने के बाद दमोह, सागर सहित आसपास के क्षेत्रों का भारी यातायात इसी मार्ग से गुजर रहा है। ओवरलोड वाहनों की आवाजाही से सड़क और पुल-पुलियों पर दबाव बढ़ गया है। गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

टाइगर रिजर्व की अनुमति का हवाला

यह मार्ग जबेरा और देवरी विधानसभा क्षेत्रों सहित दो जिलों के दो दर्जन से अधिक गांवों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थायी निर्माण के लिए विभाग नौरादेही अभयारण्य और टाइगर रिजर्व की अनुमति का हवाला देता है, लेकिन अस्थायी मरम्मत भी नहीं कराई जा रही। विभागीय अधिकारियों से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।



न्यूज विंडो

नरसिंहपुर में आदिवासी समाज का महाआंदोलन 15 को

नरसिंहपुर। जिला कलेक्टर कार्यालय में 11 नवंबर को सामाजिक संगठनों एवं समाज के लोगों ने राधे झारिया के खिलाफ विभिन्न गंभीर आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जान से मारने, बम से उड़ाने की कथित धमकी, जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल और धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले बयानों की निष्पक्ष जांच एवं वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही कथित आपराधिक मामलों, आर्थिक गतिविधियों और उपलब्ध ऑडियो-वीडियो साक्ष्यों की जांच कराने की मांग उठाई गई। वहीं, 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर भारत आदिवासी पार्टी एवं सर्व आदिवासी समाज द्वारा जनपद मैदान में महाआंदोलन, रैली और धरना प्रस्तावित है। इसमें गोंडवाना राज्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। ज्ञापन में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

तेंदूखेड़ा पुलिस की तीन जुआ फड़ों पर दबिश, 10 आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। अवैध जुआ, शराब और सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तेंदूखेड़ा पुलिस ने झलौन और हर्रई में तीन अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर 10 जुआरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 5,720 रुपए नकद जब्त किए। पुलिस के अनुसार ग्राम झलौन में तीन आरोपियों से 2,830 रुपए, जबकि हर्रई में दो अलग-अलग कार्रवाई के दौरान 7 आरोपियों से 2,890 रुपए बरामद किए गए। तीनों मामलों में केस दर्ज किए गए हैं।

इंसानियत: नेत्रहीन बहनों के साथ थाना प्रभारी ने मनाई दीपावली



तेंदूखेड़ा। दीपावली पर तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने ग्राम धनगौर पहुंचकर जन्मजात नेत्रहीन बहनों मानसी (13) और रितु (10) के साथ त्योहार मनाया। उन्होंने दोनों बहनों को नए कपड़े, मिठाई और पटाखे भेंट कर खुशियां बांटी। जबलपुर के अंधमूक विद्यालय में पढ़ने वाली दोनों बच्चियों के चेहरों पर उपहार पाकर खुशी झलक उठी। साथ में प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी और आरक्षक नीरज नामदेव भी थे।

अभिनंदन म्यूजिकल ग्रुप ने मनाया दीपावली मिलन समारोह



नरसिंहपुर। अभिनंदन म्यूजिकल ग्रुप द्वारा दीपोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गायकों ने एकल एवं युगल गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। मां सरस्वती वंदना मनीषा ठाकुर ने प्रस्तुत की। संचालन भागीरथ विश्वकर्मा एवं आभार विश्वनाथ ठाकुर ने व्यक्त किया।

प्रदेश में सड़क दुर्घटना बीमा घोटाला, पीएचक्यू करेगा जांच

खरोंच को फ्रैक्चर बता कंपनियों को लगाया 60 करोड़ का चूना!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं के मुआवजे के नाम पर बीमा कंपनियों से करीब 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। प्रदेशभर में ऐसे लगभग 700 संदिग्ध दावे जांच के दायरे में हैं। इनमें दुर्घटना में लगी मामूली चोटों को गंभीर बताकर और फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्रों के आधार पर अधिक क्षतिपूर्ति हासिल करने की कोशिश की गई है। संगठित अपराध की दृष्टि से पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) इस तरह की धोखाधड़ी की जांच शुरू करने जा रहा है।

पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के अनुसार, इस खेल के पीछे दलालों और कुछ संदिग्ध मेडिकल प्रमाण पत्र जारी करने वालों का नेटवर्क सक्रिय है। दलाल पुलिस थानों से सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी जुटाते हैं। इसके बाद घायल लोगों को ऐसे डाक्टरों से जोड़ते हैं, जो चोट की गंभीरता और विकलांगता का प्रतिशत बढ़ाकर प्रमाण पत्र जारी कर देते हैं।

इन्हीं प्रमाण पत्रों के आधार पर अदालत में बीमा कंपनियों से अधिक मुआवजे की मांग की जाती है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं। इनकी प्राथमिक स्तर पर जांच की जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।



बीमा कंपनियों की देरी से पीड़ित परेशान

सूत्रों का कहना है कि वास्तविक दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा मिलने में बीमा कंपनियों की ओर से की जाने वाली देरी भी बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों के अनुसार, कई मामलों में बीमा कंपनियां अदालत में जवाब दाखिल करने के लिए चार से पांच सुनवाई तक का समय ले लेती हैं, जबकि एक ही सुनवाई में जवाब दिया जा सकता है। वे एफआइआर दर्ज कराने में देरी और पुलिस जांच में 8-10 दिन लगने को भी भुगतान टालने का आधार बनाती हैं। बीमा कंपनियां समय पर जवाब दें तो पीड़ितों को तीन महीने में मुआवजा मिल सकता है। अभी कई मामलों में छह महीने या इससे अधिक इंतजार करना पड़ता है। इस घोटाले का शिकार हो रहीं बीमा कंपनियों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उनके प्रतिनिधि कोर्ट में अक्सर बीमा क्लेम के मामले सामने आने पर टालमटोल जैसी स्थिति अपनाते हैं। वे तारीखें लेते रहते हैं। लेकिन सही समय पर जवाब नहीं देते। इससे जहां लोगों को न्याय मिलने में देरी होती है। वहीं बीमा क्लेम भी नहीं मिलता। इसका फायदा भी दलाल और डॉक्टर उठा रहे हैं।

फ्रैक्चर होने पर 50 प्रतिशत तक दिव्यांगता

बताया जा रहा है कि कई संदिग्ध मामलों में सामान्य फ्रैक्चर को भी 50 प्रतिशत तक स्थायी बताया जा रहा है। इसके साथ ही पैर की चोट के मामले में 70 से 80 प्रतिशत तक दिव्यांगता दर्शाने के आरोप हैं। आरोप यह भी है कि घोटाले में शामिल डॉक्टर और नर्सिंग होम भी इस तरह की दिव्यांगता के फर्जी प्रमाण पत्र पेश कर रहे हैं। डॉक्टरों के इस प्रमाण पत्र के बाद बीमा कंपनियों के पास कोई जवाब नहीं होता। उन्हें क्लेम देने के लिए आखिरकार विवश होना पड़ रहा है। जबकि वास्तविक पीड़ितों को अपना बीमा क्लेम लेने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। हालांकि, अदालतों में जब मामला जाता है तो जिरह और मेडिकल परीक्षण के दौरान कई मामलों में दिव्यांगता का प्रतिशत काफी कम नजर आता है। यह भी देखा गया है कि कुछ मामलों में स्थायी दिव्यांगता का दावा करने वाला व्यक्ति सामान्य रूप से चलने-फिरने में सक्षम पाया गया है। इतना ही नहीं, कागज पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करने के बाद भी वह बाइक चलाने में भी सक्षम पाए गए हैं। इन्हीं कारणों को देखने के बाद घोटाले की आशंका बढ़ी है।

शहडोल: प्रशासन-पुलिस की जवाबदेही पर उठे सवाल

पुलिस को देखते ही 3 लड़के तालाब में कूदे, परिजन बोले- इतना क्यों डर गए थे..जांच हो

शहडोल। दोपहर मेट्रो

चौपाटी के पीछे जुआ खेलने की सूचना पर सायरन बजाती पुलिस पहुंची तो डर से चार लड़कों ने तालाब में छलांग लगा दी। एसडीईआरएफ ने रेस्क्यू किया, लेकिन तीन की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गौरव बंशकार पिता विशेसर 17 वर्ष, दुर्गेश बंशकार पिता नानबाबू 18 वर्ष एवं समीर उर्फ कबूतर बंशकार पिता किशन बंसकार 17 वर्ष सभी निवासी वार्ड 17/22 घरौला मोहल्ला शहडोल की रूप में हुई है। लेकिन इन मौतों ने पुलिस के सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिएहैं। बड़ा सवाल यह है कि घटना की जिम्मेदारी किसकी थी? नगर पालिका, जिला प्रशासन, पुलिस या बच्चों के संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं की? सवाल यह भी है कि पुलिस वाहन के सायरन सुनकर लड़कों ने तालाब में क्यों छलांग लगा दी। आखिर वे क्यों डर गए थे? ग्रामीण अब इसकी जांच की मांग कर रहे हैं।

जिला प्रशासन द्वारा तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। जांच में केवल हादसे के कारणों के बजाय संबंधित विभागों की जिम्मेदारी और संभावित लापरवाही भी सामने आनी चाहिए। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लेकर बच्चों के तालाब में कूदने की परिस्थितियों की पड़ताल जरूरी है। अपने घर के चिराग खोने वाले तीन परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। हालांकि प्रशासन ने परिजनों को 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि दी है। लेकिन परिजनों का कहना है कि इससे उनके लाल तो लौटकर नहीं आएंगे।

तालाब के चारों ओर लगी जाली टूटी मिली

घटनास्थल के निरीक्षण में तालाब के चारों ओर लगी सुरक्षा जाली कई जगह टूटी मिली। यदि जाली लंबे समय से क्षतिग्रस्त थी तो उसकी मरम्मत क्यों नहीं कराई गई? क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने नियमित निरीक्षण किया था? खतरनाक स्थानों पर पर्याप्त चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं थे?

एंबुलेंस व्यवस्था की भी जांच की हो रही मांग

ग्रामीणों का कहना है कि जब लड़कों को तालाब से निकाला गया तो एंबुलेंस सुविधा भी नहीं मिली। ग्रामीणों का कहना है कि जिला मुख्यालय में एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने से समय पर जान बचाई नहीं जा सकी। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और प्रतिक्रिया की जांच होनी चाहिए।

मानपुर फोरलेन पर वन विभाग ने कार्रवाई कर पकड़ा

फोरलेन पर खैर की अवैध लकड़ी से भरा पिकअप जब्त, चालक फरार

धार। दोपहर मेट्रो

वन संपदा के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए धार वन मंडल की टीम ने मानपुर फोरलेन पर बग्गअड के पास खैर की लकड़ी से भरा पिकअप वाहन जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

वन विभाग के अनुसार नियमित गश्त के दौरान सुबह करीब 10 बजे सफेद रंग का पिकअप (एमपी 13-जेडजेड 4463) संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। वनकर्मियों को देखकर चालक वाहन रोककर भाग निकला। जांच में पिकअप के अंदर देशी खैर की लकड़ी भरी मिली। लकड़ी के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर वन अमले ने वाहन जब्त कर धार वन परिक्षेत्र कार्यालय पहुंचाया। मामले में मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज परिवहन नियमों के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वन विभाग लकड़ी के स्रोत और अवैध परिवहन में शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटाने के साथ फरार चालक की तलाश कर रहा है। कार्रवाई वन मंडलाधिकारी विजय आनंतम टी.आर. एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई।



'ऑपरेशन प्रहार': कपास के खेत में गांजे की अवैध खेती, 67 लाख के पौधे जब्त



टांडा (धार)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत टांडा पुलिस ने ग्राम पुरा में बड़ी कार्रवाई करते हुए कपास के खेत में छिपाकर की जा रही गांजे की खेती पकड़ी है। पुलिस ने मौके से 383 हरे गांजे के पौधे जब्त कर आरोपी मुलम सिंह डावर (26), निवासी ग्राम जोगिया को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार जब्त पौधों का कुल वजन 363.188 किलोग्राम है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 67 लाख 13 हजार रुपये बताई गई है। मुखबिरी सूचना पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन में एएसपी विजय डावर एवं एसडीओपी ओपी अहीर के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी बलदेवसिंह मुजाल्दा के नेतृत्व वाली टीम ने गांजे के पौधे जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने नशे के कारोबार की सूचना देने की अपील भी की है।

गंजबासौदा

श्री महाकाली मंदिर बालाजी दरबार में मना अन्नकूट महोत्सव

गंजबासौदा। श्री महाकाली मंदिर बालाजी दरबार में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माता रानी का आकर्षक श्रृंगार कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। माता के दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उनका आशीर्वाद लिया। पुजारी विशाल दास वैष्णव के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में अरुण वैष्णव, अमन सोनी, ध्यानेंद्र ठाकुर, बिट्टू कुशवाह, दिनेश प्रजापति सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहयोग दिया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। दिनभर माता के जयकारे गूंजते रहे।

मेट्रो एंकर देवरी के पतई गांव में बच्चों को मिट्टी की खुदाई के दौरान मिली दांतों वाली रहस्यमयी आकृति

नर्मदा किनारे मिला दैत्याकार जबड़े जैसा पत्थर, मैमथ का जीवाश्म तो नहीं!

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले के देवरी क्षेत्र के पतई गांव में नर्मदा नदी के किनारे मिली एक रहस्यमयी पत्थरनुमा आकृति ग्रामीणों के बीच कौतूहल का विषय बन गई है। दैत्याकार जबड़े जैसी दिखाई देने वाली इस आकृति में कई दांत भी उभरे हुए दिख रहे हैं। कुछ बच्चे नदी किनारे खेल रहे थे। इसी दौरान मिट्टी की खुदाई करते समय उन्हें अजीबोगरीब आकृति दिखाई दी। पत्थर का हिस्सा जमीन में धंसा हुआ है। इसकी बनावट देखकर ग्रामीण भी हैरान हैं। कुछ लोगों ने इसे अज्ञात देवता का स्वरूप मानकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी है। इसके फोटो-वीडियो सामने आने के बाद इसके प्राचीन जीव के अवशेष या जीवाश्म होने की संभावना जताई जा रही है।



पुरातात्विक विशेषज्ञों की जांच के बाद होगी पुष्टि

इसकी वास्तविक पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। इसके जीवाश्म होने या किसी अन्य प्राकृतिक संरचना की पुष्टि वैज्ञानिक और पुरातात्विक विशेषज्ञों की जांच के बाद ही हो सकेगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जल्द ही पुरा विशेषज्ञों को जानकारी दी जाएगी।

ग्रामीणों ने की संरक्षण और वैज्ञानिक जांच की मांग, अध्ययन से होगा खुलासा

ग्रामीणों ने इस खोज की जानकारी फोटो और वीडियो के माध्यम से भेजी है। इसके साथ ही पुरातत्व एवं जीवाश्म विशेषज्ञों से इसकी पहचान और रिसर्च कराने की मांग की है। यह रहस्यमयी आकृति लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब सबकी निगाहें विशेषज्ञों की जांच पर टिकी हैं, जिससे पता चल सकेगा कि नर्मदा किनारे मिला यह पत्थर वास्तव में किसी प्राचीन जीव का अवशेष है या प्रकृति की बनाई कोई अनोखी संरचना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी बड़े जीव का जबड़ा हो सकता है। इसकी जांच के बाद यह पता चलेगा कि पृथ्वी पर आखिर कौन सा जीव पहले मौजूद था। जो समय के साथ विलुप्त हो गया।

नर्मदा घाटी में पहले भी मिल चुके हैं जीवाश्म

बता दें कि नर्मदा घाटी का क्षेत्र भूगर्भीय और पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। जिले के आसपास के क्षेत्रों में पूर्व में भी डायनासोर के अंडों सहित प्राचीन जीवों के अवशेष मिलने की जानकारियां सामने आती रही हैं। ऐसे में पतई गांव में मिली यह आकृति भी शोध और वैज्ञानिक जांच का विषय बन सकती है। यदि जांच में इसके किसी प्राचीन जीव का जीवाश्म होने की पुष्टि होती है तो यह रायसेन जिले के लिए महत्वपूर्ण खोज साबित हो सकती है।

गंजबासौदा में कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

पंडित एलिया बोले-फूलों की तरह दूसरों के जीवन में खुशबू बांटें



गंजबासौदा दोपहर मेट्रो

शहर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ मनकामेश्वर मंदिर से शीतला माता मंदिर तक निकली भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सेदारी की। ढोल-मंजीरों और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया। कथा व्यास आचार्य पं. विकास आनंद ऐलिया ने गणेश पूजन और भागवत पूजन के बाद कथा प्रारंभ की। उन्होंने कहा कि मनुष्य को फूलों की तरह दूसरों के जीवन में प्रेम, खुशियों और सद्भाव की खुशबू बांटनी चाहिए।

अमरकंटक: सोनमुड़ा में स्वच्छता व्यवस्था पर उठे सवाल, सड़क किनारे जमा हो रहा प्लास्टिक कचरा, पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशासन और दुकानदारों को निभानी होगी जिम्मेदारी

सोन नदी के उद्गम के पास दुकानों से निकलने वाला कचरा बिगाड़ रहा प्राकृतिक सौंदर्य

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में शामिल पवित्र नगरी अमरकंटक के सोनमुड़ा में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सोन नदी के उद्गम स्थल की ओर जाने वाले मार्ग पर संचालित चाय-नाश्ते की दुकानों से निकलने वाला प्लास्टिक कचरा सड़क किनारे खुले में जमा हो रहा है। जगह-जगह बिखरी प्लास्टिक की थैलियां, खाद्य पदार्थों के पैकेट और डिस्पोजल सामग्री क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को प्रभावित कर रही है। ऐसे संवेदनशील पर्यटन स्थल पर स्वच्छता व्यवस्था की अनदेखी चिंता का विषय बन गई है।

सोनमुड़ा अपनी प्राकृतिक छटा, शांत वातावरण और धार्मिक महत्व के लिए देशभर में पहचान रखता है। यहां स्थित सोन नदी का उद्गम स्थल प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। लोग यहां प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने और धार्मिक दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पर्यटन मार्ग के किनारे प्लास्टिक कचरे का ढेर स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

खुले में पड़ा प्लास्टिक हवा के साथ आसपास के क्षेत्रों में फैल सकता है। बारिश के दौरान इसके नालों और जलस्रोतों तक पहुंचने की आशंका भी रहती है। इससे स्थानीय पर्यावरण, वन्यजीवों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

स्थानीय दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन रखने और निकलने वाले कचरे का उचित निस्तारण करने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। प्लास्टिक और डिस्पोजल सामग्री को निर्धारित स्थान पर पहुंचाना जरूरी है।



नगर परिषद एवं प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी

ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित नगर परिषद एवं प्रशासनिक अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है। उन्हें नियमित यह तय करना चाहिए कि सड़क किनारे जमा कचरे का नियमित उठाव हो। लेकिन अफसर भी इसकी अनदेखी कर रहे हैं। वे नियमित निगरानी ही नहीं कर रहे। नतीजा, जगह-जगह कचरा पड़ा है। इसके लिए पर्याप्त कचरा पात्र, नियमित सफाई और प्रभावी कचरा संग्रहण व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। दुकानदारों को स्वच्छता नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ उनका पालन भी सुनिश्चित कराया जाना चाहिए।

प्राकृतिक विरासत बचाने की जरूरत

अमरकंटक की पहचान केवल धार्मिक नगरी के रूप में नहीं, बल्कि नदियों के उद्गम स्थल, घने जंगलों और जैव विविधता के लिए भी है। सोनमुड़ा इस प्राकृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जरूरत है कि प्रशासन, स्थानीय दुकानदार और पर्यटक मिलकर स्वच्छता की जिम्मेदारी निभाएं। समय रहते कचरा प्रबंधन की व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता प्रभावित हो सकती है। पर्यटन स्थलों की पहचान केवल उनकी खूबसूरती से नहीं, बल्कि वहां की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति लोगों की जिम्मेदारी से भी बनती है। सोनमुड़ा की प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित रखना सभी का साझा दायित्व है। विशेषज्ञों की मानें तो मप्र शासन और राष्ट्रीय हरित अधिकरण के स्पष्ट निर्देश हैं कि देश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों और नदी उद्गम स्थलों के आसपास नो-प्लास्टिक जोन' लागू किया जाए। यदि अफसर नहीं मानें और व्यवस्था नहीं सुधरी तो ग्रामीण एनजीटी में जा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अमरकंटक को पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना गया है। ऐसे क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का उल्लंघन करने पर कानूनी रूप से सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

कुल्हड़ और बायोडिग्रेडेबल सामान को बढ़ावा दें तो बदल जाएगी सूरत

नगर परिषद और स्थानीय प्रशासन को दोना-पत्तल, कुल्हड़ (मिट्टी के बर्तन) या बायोडिग्रेडेबल सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी या विशेष प्रोत्साहन योजना चलाने की जरूरत है। सोनमुड़ा मार्ग पर प्लास्टिक की बोतलों और कचरे के निपटान के लिए आधुनिक रिवर्स वेंडिंग मशीन' और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग बैंक स्थापित किए जा सकते हैं, जिससे पर्यटकों को प्लास्टिक रीसायकल करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इससे कचरा पर नियंत्रण होगा। ऐसे में इस दिशा में स्थानीय रहवासी अब जिला प्रशासन से चर्चा कर मांग करेंगे।

न्यूज विंडो

श्री महाकाली मंदिर में धूमधाम से मना अन्नकूट महोत्सव



गंजबासौदा। श्री महाकाली मंदिर बालाजी दरबार में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माता रानी का आकर्षक श्रृंगार कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। भक्तों ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पुजारी विशाल दास वैष्णव के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में अरुण वैष्णव, अमन सोनी, ध्यानेंद्र ठाकुर सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहयोग किया।

साइकिल स्पर्धा में सेंट एसआरएस स्कूल के 5 छात्र राज्य स्तर पर खेलेंगे



गंजबासौदा। शालेय खेलकूद प्रतियोगिता में सेंट एस.आर.एस. स्कूल के पांच खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान बनाया है। नरसिंहगढ़ में 15 से 17 अक्टूबर तक संभाग स्तरीय रोड साइकिल स्पर्धा में प्रदर्शन के आधार पर आयुष साहू (कक्षा 7वीं), चैतन्य जैन (8वीं), नक्ष साहू (9वीं), सुमित कुशवाह (9वीं) और ध्रुव बघेल (10वीं) का चयन हुआ है। सभी 12 से 17 नवंबर तक बालाघाट में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

पीढ़ियां बदलीं, परंपरा नहीं: ग्वालों ने मौन व्रत रख 12 गांवों की परिक्रमा



गंजबासौदा। गोवर्धन पूजा पर कारस देव मंदिर में पूजा के बाद 39 ग्वालों की टोली मौन व्रत धारण कर 12 गांवों की परिक्रमा पर रवाना हुई। पीले वस्त्र, कमर में मोर पंख और हाथों में डांडिया लेकर ग्वाले नंगे पैर यात्रा पर निकले। हरदूखेड़ी, स्वरूपनगर, परसोरा सहित 12 गांवों में ग्रामीणों ने दूध, दही और मट्ठे से उनका स्वागत किया। मान्यता है कि सदस्यों को लगातार 11 वर्षों तक परिक्रमा करनी होती है। परंपरा की शुरुआत बसंतलाल कुशवाह ने की थी। अब तीसरी पीढ़ी इसे आगे बढ़ा रही है।

खाटूश्याम मंदिर में अन्नकूट महोत्सव बाबा को लगाया छप्पन भोग



मंडीदीप। सतलापुर स्थित श्री खाटूश्याम मंदिर में दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। बाबा का अलौकिक श्रृंगार कर 56 व्यंजनों का भोग लगाया। भोपाल की भजन गायिका क्रिया गुप्ता ने भजनों की प्रस्तुति दी। इत्र-पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालु झूम उठे।

इंदौर: अस्पताल के स्टोर में पड़ी है मशीन, पैथोलॉजी जांच में दिक्कत

जिला अस्पताल में 2 करोड़ की मशीन इंस्टॉल नहीं, जांचें अटकीं

इंदौर। दोपहर मेट्रो

धार रोड स्थित नए जिला अस्पताल में करीब 2 करोड़ रुपए की अत्याधुनिक केमिस्ट्री एनालाइजर मशीन करीब ढाई माह पहले पहुंच चुकी है, लेकिन अब तक इसका इंस्टॉलेशन नहीं हो पाया। मरीजों के खून की जांच के लिए लाई गई यह महंगी मशीन अस्पताल के स्टोर में पटक रखी गई है। जिला अस्पताल में पैथोलॉजी लैब को आधुनिक बनाने की योजना है। इसी के तहत बीएस-800 एुली ऑटोमैटिक केमिस्ट्री एनालाइजर मशीन खरीदी गई है। इसकी कीमत 2 करोड़ 01 लाख 571 रुपए बताई गई है।

मशीन की क्षमता एक घंटे में 800 से 1200 जांच की है। इतनी अधिक क्षमता वाली मशीन से बड़ी संख्या में जांच कम समय में की जा सकती है। इसके बावजूद मशीन का उपयोग शुरू नहीं हो सका। अभी मरीजों को जांच रिपोर्ट का इंतजार करना पड़ता है। अस्पताल में मरीजों की संख्या अधिक होने से पैथोलॉजी लैब पर दबाव रहता है। अत्याधुनिक मशीन शुरू होने से जांच प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद है। इमरजेंसी और भर्ती मरीजों के लिए समय पर रिपोर्ट उपलब्ध होने से इलाज की दिशा तय करने में मदद मिलेगी।



निजी लैब पर निर्भरता कम होगी

वर्तमान में कई महत्वपूर्ण जांचों के लिए मरीजों को निजी पैथोलॉजी लैब का सहारा लेना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बार-बार जांच कराना अतिरिक्त खर्च का कारण बनता है। जिला अस्पताल में मशीन शुरू होने से ऐसे मरीजों को बड़ी राहत मिल सकती है। खासकर उन मरीजों को फायदा होगा, जिन्हें इलाज के दौरान लगातार ब्लड टेस्ट कराने की जरूरत पड़ती है। सवाल यह है कि जब मशीन की खरीदी पर दो करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए तो उसे शुरू करने की प्रक्रिया अब तक पूरी क्यों नहीं हुई। मशीन के इंस्टॉलेशन, तकनीकी जांच, संचालन के लिए जरूरी व्यवस्थाओं और कर्मचारियों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी किसकी है। मशीन अस्पताल पहुंचने के बाद भी यदि लंबे समय तक स्टोर में पड़ी रहती है तो उसकी उपयोगिता ही खत्म हो जाती है। जिला अस्पताल प्रबंधन लैब शुरू होने की स्थिति स्पष्ट नहीं कर पा रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारी भी दौरे कर रहे हैं, लेकिन मशीन को लेकर अनजान बने हुए हैं।

मशीन से होने वाली ये प्रमुख जांचें

- लिवर फंक्शन टेस्ट : लिवर की कार्यक्षमता की जांच।
- किडनी फंक्शन टेस्ट : किडनी की कार्यक्षमता की जांच।
- ब्लड शुगर : रक्त में ग्लूकोज के स्तर की वास्तविक जानकारी।
- क्रिएटिनिन : किडनी की स्थिति का आकलन होता है।
- यूरिक एसिड : शरीर में यूरिक एसिड का स्तर।
- कोलेस्ट्रॉल : रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा का पता चलता है।
- ट्राइग्लिसराइड्स : रक्त में वसा का स्तर की जानकारी मिलती है।
- बिलिरुबिन : पीलिया और लिवर से संबंधित जांच।
- प्रोटीन और एल्ब्यूमिन : शरीर में प्रोटीन का स्तर।
- एंजाइम जांच : एसजीओटी, एसजीपीटी, एएलपी आदि।

मरीजों को राहत नहीं

सुविधाएं न मिलने से गरीब-जरूरतमंद मरीजों को निजी लैब की ओर रुख करना पड़ रहा है। इससे उनकी जेब हल्की हो रही है। अब प्रबंधन व्यवस्था में सुधार के दावे कर रहा है।

दीपावली पर किया था हमला, 48 घंटे में खुलासा

नाचने के दौरान हुआ विवाद तो बदला लेने की युवक की हत्या पंजाब के दो आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

ग्राम टेमरिया में दीपावली की रात कपास के खेत में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटों में अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए पंजाब निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ग्रामीणों से हुए विवाद का बदला लेने के लिए युवक की हत्या की थी। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल लोहे की रॉड भी बरामद की है।

पुलिस ने बताया, 8 नवंबर की रात टेमरिया में दीपावली पर नाच-गाने का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान कुएं की खुदाई के लिए आए पोकलेन मशीन के दो हेल्परों का ग्रामीणों से विवाद हो गया। बताते हैं, आरोपी फतेसिंह एक ग्रामीण के घर में घुस गया था, जिस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए दोनों को वहां से भगा दिया। इससे नाराज आरोपियों ने बदला लेने की योजना बनाई।

रात 2:30 बजे ग्रामीणों को कपास के खेत की ओर से चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। मौके पर बाबू उर्फ बाबूलाल मंडलोई घायल अवस्था में मिला। उसके सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट थी। इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई। 9 नवंबर को मनावर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।



अकेला देख सिर पर मारी रॉड, मौके पर ही मौत

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 10 नवंबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में उन्होंने बाबूलाल को अकेला पाकर लोहे की रॉड से सिर पर हमला करने की बात स्वीकार की। आरोपियों की पहचान फतेसिंह पिता हरजिंदरसिंह निवासी अमृतसर और गगनदीपसिंह पिता सुबासिंह निवासी गुरदासपुर (पंजाब) के रूप में हुई है। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड जब्त की गई है। एसपी सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में मनावर पुलिस और साइबर सेल की टीम ने कार्रवाई की। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव में उमड़ी आस्था, 24 निर्वाण लाडू अर्पित



गंजबासौदा। नगर में भगवान महावीर स्वामी का 2553वां निर्वाण कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के सभी जिनालयों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। मुख्य कार्यक्रम भगवान महावीर मार्ग स्थित भगवान महावीर विहार में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाष्टक, भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुआ। इसके बाद महावीर स्वामी, आचार्य विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समयसागर महाराज की पूजन की गई। निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में भगवान को 24 निर्वाण लाडू अर्पित किए गए। अनेक पुण्यार्जक परिवारों ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन समाज के मंत्री सतीश जैन ने किया। वहीं निर्माणाधीन श्री पारस प्रभु जिनालय के निर्माण हेतु श्रद्धालु परिवारों ने दानराशि समर्पित की।

शहडोल: छतवई गांव में मवेशियों में गंभीर बीमारी का प्रकोप, शरीर पर फोड़े बन रहे घाव

एंबुलेंस खुद बीमार... भगवान भरोसे मवेशी! चलित पशु चिकित्सालय की बदहाल व्यवस्था से किसान परेशान

शहडोल। दोपहर मेट्रो

सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बीमार मवेशियों को घर पर ही इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाइल वेटरनरी यूनिट (चलित पशु चिकित्सालय) की शुरुआत की थी, लेकिन शहडोल जिले में इस योजना की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जिला मुख्यालय के नजदीक छतवई गांव में मवेशियों के बीच एक गंभीर बीमारी फैलने की जानकारी सामने आई है। इसके बावजूद किसानों को समय पर पशु चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने की शिकायत है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बीमारी से प्रभावित मवेशियों के पूरे शरीर पर बड़े-बड़े फोड़े निकल रहे हैं, जो कुछ दिनों में गंभीर घावों में बदल जाते हैं। इनसे खून और मवाद निकलने के कारण पशु दर्द से परेशान रहते हैं। उचित उपचार नहीं मिलने पर उनकी मौत होने का खतरा बना हुआ है। इससे पशुपालकों को आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है।

डॉक्टर पर फोन नहीं उठाने के आरोप

किसानों और ग्रामीणों का आरोप है कि चलित पशु चिकित्सालय के जिम्मेदार डॉक्टर फोन नहीं उठाते। कभी संपर्क हो भी जाए तो संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। लोगों का कहना है कि जब बीमार पशुओं को अस्पताल तक ले जाना संभव नहीं है, तब मोबाइल यूनिट ही उनका एकमात्र सहारा है।

संकट में एंबुलेंस की जरूरत लेकिन व्यवस्था नदारद

ग्रामीणों का कहना है कि गंभीर रूप से बीमार मवेशियों को पैदल या अन्य साधनों से जिला पशु चिकित्सालय पहुंचाना संभव नहीं है। ऐसे में चलित पशु चिकित्सालय की उपयोगिता सबसे अधिक हो जाती है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि मोबाइल वेटरनरी यूनिट की उपलब्धता, डॉक्टरों की कार्यप्रणाली और फोन पर मिलने वाली सेवाओं की जांच कराई जाए।

अब सवाल यह है कि पशुधन बचाने के लिए शुरू की गई योजना जरूरतमंद किसानों के कितने काम आ रही है? प्रशासन को तत्काल व्यवस्था सुधारकर बीमार मवेशियों का उपचार सुनिश्चित करना चाहिए।

पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा, एक बाइक भी जब्त

नर्मदापुरम में तलवार-चाकू लेकर घूम रहे तीन युवक, गिरफ्तार

नर्मदापुरम/सेमरी हरचंद। दोपहर मेट्रो

आमजन की सुरक्षा और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत सेमरी हरचंद पुलिस ने धारदार हथियार लेकर घूम रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक तलवार, दो चाकू और बाइक जब्त की है।



पुलिस के अनुसार 10 नवंबर को चौकी प्रभारी विवेक यादव को सूचना मिली कि तीन युवक बाइक से हथियार लेकर गुराड़िया से सेमरी हरचंद आ रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर बाइक क्रमांक एमपी 05 एमई 3215 को रोककर तलाशी ली। इस दौरान मोंटी वंशकार (26) के पास से तलवार, पूनम मौर्य (32) और रूपेश वंशकार (32) के पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ। तीनों निवासी सेमरी हरचंद को गिरफ्तार कर आयुध अधिनियम की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया। जब्त हथियारों और बाइक की कुल कीमत करीब 41 हजार रुपए बताई गई है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेट्रो एंकर | किसान संगठनों ने सांसद के बयान को बताया था अपमान

रीवा सांसद जर्नादन मिश्रा ने किसानों के लिए दिया 9 माह ताश खेलने वाला बयान तो भाजपा विधायक तिवारी ने मांगी माफी

रीवा। दोपहर मेट्रो

किसानों पर दिए गए विवादित बयान के बाद घिरे रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा अब बैकफुट पर आ गए हैं। वीडियो वायरल होने, संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा एफआईआर की मांग और अपनी ही पार्टी के विधायक द्वारा खेद जताए जाने के बाद सांसद ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनकी बात को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है।

उनका मकसद किसानों का अपमान नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।बता दें कि गत सोमवार 9 नवंबर को मऊगंज के ग्राम रकरी स्थित कमल गौशाला में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में सांसद ने मंच से कहा था - किसान 3 महीने खेती में मेहनत करते हैं और बाकी 9 महीने ताश, राजश्री, बोतल, चोंगी और जय भोले चढ़ाते हैं।

सांसद के बयान देते ही मचा था हंगामा



सोमवार रात यह वीडियो सामने आते ही हंगामा मच गया था। सफाई में सांसद ने कहा कि डबल इंजन की सरकार गौपालन को बढ़ावा देने और किसानों को हरसंभव सहायता देने के लिए काम कर रही है।

दुग्ध उत्पादन और पशुपालन किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन बन सकते हैं।उन्होंने कहा कि गोबर से जैविक खाद तैयार होती है, जिससे खेतों कीमिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलता है।

मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है

रासायनिक खाद के अत्यधिक और असंतुलित इस्तेमाल से मिट्टी की गुणवत्ता, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, इसलिए किसानों को गौपालन और जैविक खेती अपनानी चाहिए। हालांकि सांसद की इस सफाई के बाद भी अब सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि मूल वीडियो में 3 महीने बनाम 9 महीने वाली टिप्पणी साफ तौर पर सुनी जा सकती है।

भाजपा विधायक ने मांगी माफी

उधर, इस मामले में भाजपा के ही विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने सांसद के बयान पर खेद जताते हुए किसानों से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस मामले का संज्ञान लेगा और कार्रवाई करेगा। हमारी सरकार और मोदीजी किसानों के हित में 24 घंटे काम कर रहे हैं।

रिंकू सिंह की शादी- 4 को लखनऊ में सांसद प्रिया संग लेंगे सात फेरे

क्रिकेटर की बरात में शामिल होंगे खास मेहमान, 50 से 60 लोगों की सूची तैयार

अलीगढ़ , एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और मछलीशहर से सपा सांसद प्रिया सरोज की शादी की तैयारियां तेज हो गई हैं। चार दिसंबर को लखनऊ में विवाह समारोह होगा। रिंकू सिंह की बरात अलीगढ़ से जाएगी। इसमें परिवार के सदस्यों के साथ उनके करीबी और खास लोग शामिल होंगे। इसके लिए करीब 50 से 60 लोगों की सूची तैयार की जा रही है। रिंकू सिंह के परिजनों के अनुसार, बरात में शामिल होने वाले लोगों के नाम तय किए जा रहे हैं। परिवार के सदस्य और करीबी लोग इस खास मौके पर रिंकू के साथ लखनऊ जाएंगे। इधर, शादी की तैयारियों के बीच रिंकू सिंह सोमवार दोपहर कतर के लिए रवाना हो गए। उन्हें भारत ए क्रिकेट टीम का उपकप्तान बनाया गया है। दिवाली पर वह घर आए थे, जहां उनका कई जगह अभिनंदन किया गया।

मां ने बहू के लिए खरीदी पीली साड़ी

रिंकू सिंह के घर शादी की तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। बेटे की शादी को लेकर मां भी खरीदारी में जुट गई हैं। उन्होंने होने वाली बहू प्रिया सरोज के लिए पीले रंग की खास साड़ी खरीदी है। खरीदारी के दौरान उनके साथ रिंकू की बड़ी भाभी और बहन नेहा भी मौजूद रहीं। इसके अलावा परिवार की ओर से बच्चों के लिए भी कपड़ों की खरीदारी की गई। रिंकू और प्रिया की कहानी में शादी की तारीख तक पहुंचने का सफर भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। जून 2025 में दोनों की सगाई लखनऊ के सेंट्रम होटल में हुई थी। इसके बाद दिसंबर 2025 में शादी की तारीख तय होने की चर्चा हुई, लेकिन क्रिकेट मैचों के कारण कार्यक्रम आगे बढ़ गया। बाद में फरवरी 2026 में शादी होने की बात सामने आई। इसी बीच 27 फरवरी 2026 को रिंकू सिंह के पिता खानचंद का निधन हो गया। पिता के निधन के बाद शादी की तारीख फिर आगे बढ़ती गई। अब चार दिसंबर की दोनों शादी करेंगे।





रिंकू-प्रिया की शादी में जुटेंगे क्रिकेटर

लखनऊ में चार दिसंबर को होने वाली क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की शादी में क्रिकेट, सिनेमा और राजनीति की कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। शादी समारोह में सिने अभिनेता शाहरुख खान, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला समेत अन्य क्रिकेट सितारों के पहुंचने की बात कही जा रही है।

अलीगढ़ में होगा रिसेप्शन

लखनऊ में शादी के बाद अलीगढ़ में रिसेप्शन होगा। रिंकू सिंह के घर के पास स्थित होटल यश रेजीडेंसी, पारस ज्योति, गोल्डन स्टोन में से किसी एक में रिसेप्शन होने की बात सामने आ रही है।

खराब फार्म बनी वजह

दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर हुए मार्नस लाबुशेन, बोले- मुझे वापसी का पूरा भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म के चलते एक बार फिर टेस्ट टीम से बाहर होना पड़ा है। 17 महीने के भीतर यह दूसरी बार है, जब चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में जगह नहीं दी है। हालांकि, इस फैसले से लाबुशेन का हौसला कमजोर नहीं हुआ है। उन्होंने साफ कर



दिया है कि वह हार मानने वाले नहीं हैं और जल्द ही ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में वापसी करेंगे। उनका मानना है कि मेहनत और अच्छे प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में लौटने का रास्ता अपने आप बन जाएगा। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने स्पष्ट किया है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए लाबुशेन ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा नहीं होंगे। इसके बाद अब इस अनुभवी बल्लेबाज की निगाहें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने पर टिकी हैं।

खराब फॉर्म बनी टीम से बाहर होने की वजह

मार्नस लाबुशेन लंबे समय से रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला 2023 एशेज सीरीज के बाद से जारी है। यह आखिरी सीरीज थी, जिसमें उनके बल्ले से शतकीय पारी निकली थी। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में केवल दो अर्धशतक लगाए हैं। इतना ही नहीं, उनकी पिछली 16 टेस्ट पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं आया है। लगातार गिरते प्रदर्शन के कारण चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से बाहर रखने का फैसला किया। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के मुताबिक, लाबुशेन ने मंगलवार को अपनी स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक क्रिकेटर के तौर पर वह अपनी स्थिति को अच्छी तरह समझते हैं।

सहवाग के बेटे ने बल्ले से मचाया तूफान, यूएई के गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां

168 गेंदों में ठोके नाबाद 160 रन, पिता को नहीं, विराट कोहली को मानते हैं आदर्श

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट के मैदान पर दिग्गज खिलाड़ियों के बेटों के सामने अक्सर अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती होती है। लेकिन भारतीय क्रिकेट के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने अपने बल्ले से ऐसा जवाब दिया है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अंडर-19 पुरुष एशिया कप 2026 में आर्यवीर ने यूएई के खिलाफ ऐसी तूफानी पारी खेली कि गेंदबाजों के पास उनके प्रहारों का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 168 गेंदों में 160 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। उनकी इस पारी में आक्रामकता, धैर्य और शानदार बल्लेबाजी का बेहतरीन मेल देखने को मिला।

पिता सहवाग का अंदाज नहीं, कोहली जैसा बनना चाहते हैं आर्यवीर- आर्यवीर अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ एक बयान को लेकर भी चर्चा में हैं। मुकाबले से पहले एक प्रचार वीडियो में जब उनसे पूछा गया कि वह किस अंदाज में बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं, तो उन्होंने बेबाकी से कहा कि वह केवल अपने पिता वीरेंद्र सहवाग की तरह नहीं खेलना चाहते, बल्कि विराट कोहली के अंदाज में बल्लेबाजी करना चाहते हैं।

उनका यह बयान काफी चर्चा में रहा। दरअसल, सहवाग अपनी पहली ही गेंद से गेंदबाजों पर हमला बोलने और बेखौफ बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते थे। वहीं विराट कोहली की पहचान उनकी फिटनेस, निरंतरता, धैर्य और दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता है। आर्यवीर की यूएई के खिलाफ पारी में इन दोनों दिग्गजों की बल्लेबाजी की झलक दिखाई दी। उन्होंने शुरुआत में विकेट बचाकर खेला और फिर मौका मिलते ही गेंदबाजों पर प्रहार शुरू कर दिए।



131 गेंदों में शतक, फिर चौके-छक्कों की बरसात

अल अमेरत क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत के बाद आर्यवीर ने पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाई। पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजी आसान नहीं थी। ऐसे में 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने जल्दबाजी करने के बजाय संयम के साथ रन जुटाए। उन्होंने गेंद की गति और पिच के मिजाज को समझते हुए अपनी पारी आगे बढ़ाई। आर्यवीर ने 131 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। शतक तक पहुंचने के दौरान उन्होंने तकनीक और धैर्य का परिचय दिया। हालांकि, शतक पूरा होते ही उनके बल्लेबाजी का अंदाज बदल गया। उन्होंने मैदान के चारों तरफ आकर्षक शॉट लगाते हुए यूएई के गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ा दीं। 37वें ओवर में गेंदबाज उद्दीश सूरी उनके निशाने पर आए। आर्यवीर ने इस ओवर में दो छक्के और दो चौके लगाकर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। इसके बाद भी उनके बल्ले से लगातार रन निकलते रहे। उन्होंने अपनी पारी को 150 रन के पार पहुंचाया और अंत तक नाबाद रहे। उनकी 160 रनों की पारी में बड़े शॉट खेलने के साथ स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता भी नजर आई।

भारत ने खड़ा किया 309 रन का मजबूत स्कोर

आर्यवीर की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट खोकर 309 रन बनाए। 310 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। पूरी टीम निर्धारित 50 ओवर में 239 रन ही बना पाई। इस तरह भारत ने मुकाबला 70 रन से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब भारतीय टीम का सामना गुरुवार को सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से होगा।

अलग पहचान बनाने की ओर बढ़े आर्यवीर | आर्यवीर की यह पारी इसलिए भी खास है, क्योंकि उन पर शुरुआत से ही वीरेंद्र सहवाग के बेटे होने का दबाव और तुलना रही है। हालांकि, यूएई के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी ने दिखाया कि वह अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पिता की आक्रामकता और अपने आदर्श विराट कोहली की तरह पारी को संवारने का अंदाज उनके खेल को खास बना रहा है। अब सबकी निगाहें अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल पर रहेंगी, जहां आर्यवीर एक बार फिर अपने बल्ले से कमाल दिखाने उतरेंगे।

अक्षर को CSK भेजने की चर्चा से भड़के अश्विन

डीसी को दी बड़ी चेतावनी बोले- विरोधी को क्यों मजबूत कर रहे हैं?

हैमिल्टन, एजेंसी

आईपीएल के नए सीजन से पहले खिलाड़ियों की अदला-बदली यानी ट्रेड विंडो को लेकर क्रिकेट जगत में हलचल तेज हो गई है। इसी बीच दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को चेन्नई सुपर किंग्स में ट्रेड किए जाने की चर्चाओं ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस संभावित फैसले पर नाराजगी जाहिर करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के मैनेजमेंट की



रणनीति पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि अक्षर जैसे शानदार ऑलराउंडर को चेन्नई के हवाले करना अपने ही विरोधी को मजबूत करने जैसा होगा। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस संभावित ट्रेड को लेकर कहा कि चेन्नई का चेपॉक मैदान हमेशा से स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार रहा है। ऐसे में अक्षर पटेल जैसे अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर का टीम में शामिल होना सीएसके के लिए बड़ा फायदा साबित हो सकता है।

ट्रेड करना है तो ब्रेविस या नूर अहमद को मांगे दिल्ली

अश्विन ने यह भी सुझाव दिया कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल को ट्रेड करने का फैसला करती है तो उसे बदले में मजबूत खिलाड़ी हासिल करने चाहिए। उन्होंने डेवाल्ड ब्रेविस और नूर अहमद जैसे खिलाड़ियों के नाम सुझाए। उनका मानना है कि अक्षर की उपयोगिता को देखते हुए दिल्ली को इस सौदे में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए और अपने हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अक्षर पटेल के संभावित ट्रेड के साथ दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। इस मुद्दे पर अश्विन ने केएल राहुल का समर्थन किया है। उनका मानना है कि टीम की कप्तानी ऋषभ पंत के बजाय केएल राहुल को सौंपी जानी चाहिए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रामायण देखकर हैरान रह गईं ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी, स्पेशल इफेक्ट्स ने रोक दी सांसें!

भारतीय सिनेमा में इन दिनों फिल्म रामायणः पार्ट 1 को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है। फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ फिल्मी सितारों और दिग्गज फिल्ममेकर्स से भी खूब सराहना मिल रही है। अब इस कड़ी में बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने हाल ही में फिल्म देखी और इसकी भव्यता, शानदार स्पेशल इफेक्ट्स तथा कलाकारों के अभिनय की जमकर तारीफ की। हेमा मालिनी ने कहा कि फिल्म की प्रस्तुति इतनी शानदार है कि वह इसे देखकर हैरान रह गईं।

हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए अपना अनुभव बताया। उन्होंने लिखा कि रामायण की कहानी भारत के लगभग हर बच्चे को पता है। ऐसे में वह फिल्म देखने के लिए किसी खास उम्मीद के साथ नहीं गई थीं। उन्हें लग रहा था कि रामायण जैसी जानी-पहचानी कहानी में आखिर नया क्या दिखाया जा सकता है, लेकिन फिल्म देखने के बाद उनकी सोच बदल गई। उन्होंने फिल्म की प्रस्तुति को शानदार बताते हुए कहा कि इसके स्पेशल इफेक्ट्स इतने प्रभावशाली हैं कि कई दृश्यों ने उनकी



सांसें थाम दीं। साथ ही उन्होंने कलाकारों के चयन को भी बिल्कुल सही बताया। अभिनेत्री ने सिनेमाघरों में दर्शकों की प्रतिक्रिया का भी खास तौर पर जिक्र किया। उनके मुताबिक, दर्शकों को फिल्म देखते समय ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे वे किसी दूसरी दुनिया और अलग दौर में पहुंच गए हों। हेमा मालिनी ने कहा कि दर्शक केवल पर्दे पर कहानी नहीं देख रहे थे, बल्कि खुद को उसका हिस्सा महसूस कर रहे थे। उनके अनुसार, आधुनिक तकनीक और शानदार विजुअल इफेक्ट्स ने इस पौराणिक कहानी को एक नया और यादगार सिनेमाई अनुभव बना दिया है।

नितेश तिवारी के निर्देशन की हो रही तारीफ

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। रामायण जैसे महाकाव्य को बड़े पर्दे पर भव्य अंदाज में प्रस्तुत करने की कोशिश को दर्शकों और फिल्म जगत से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फिल्म की तकनीक, विजुअल इफेक्ट्स और कलाकारों की भूमिका को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

दूसरे पार्ट का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार- रामायणः पार्ट 1 की चर्चा के बीच अब दर्शकों की निगाहें इसके दूसरे भाग पर टिकी हैं। फिल्म का दूसरा पार्ट साल 2027 में दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाला है। फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा, एसएस राजामौली, संदीप रेड्डी वांगा और एटली समेत मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां भी फिल्म की तारीफ कर चुकी हैं।



मेट्रो बाजार

850 लोगों की छंटनी करने की तैयारी में क्वांटास एयरवेज भारत शिफ्ट होंगी नौकरियां

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास एयरवेज ने कंसल्टिंग फर्म एक्सेंचर के साथ एक नई टेक्नोलॉजी साझेदारी के तहत लगभग 850 नौकरियों में कटौती करने और कई बैक-ऑफिस कार्यों को आउटसोर्स करने की योजना बनाई है। इनमें से ज्यादातर नौकरियों को भारत में स्थानांतरित किए जाने की उम्मीद है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। 2027 के मध्य से शुरू होने वाला यह पुनर्गठन फाइनेंस, प्रोक्योरमेंट, ह्यूमन रिसोर्स और मार्केटिंग विभागों के कर्मचारियों को प्रभावित करेगा। इसके तहत एयरलाइन अपने पुराने सिस्टम को आधुनिक बनाना चाहती है और अपने कामकाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल बढ़ाना चाहती है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब एयरोस्पेस निर्माता और एयरलाइंस अपनी कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के लिए अपने कामकाज के तरीकों में बदलाव कर रहे हैं। बोइंग ने कि वह अपने कमर्शियल विमान उत्पादन को बढ़ाने की योजना को धीमा कर रहा है। इसके चलते, कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 5 प्रतिशत की कटौती करेगी। बोइंग ने बताया कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि कारखानों और सप्लायर्स को उत्पादन को स्थिर करने के लिए अधिक समय मिल सके। इसके अलावा, क्वांटास ने बताया कि उसने अपने बैक-एंड सिस्टम, बिजनेस प्रोसेस और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने के लिए एक्सेंचर के साथ एक बहु-वर्षीय समझौता किया है।

एनवीडिया के बुरे दिन शुरू! 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर से 26% फिसला बाजार मूल्य

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया को बड़ा झटका लगा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंताओं और कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसेन हुआंग से जुड़े विवादों के बीच कंपनी के बाजार मूल्य में भारी गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी का बाजार मूल्य अपने 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर से करीब 26 प्रतिशत यानी 1.57 लाख करोड़ डॉलर घट गया है। इस गिरावट ने वैश्विक तकनीकी बाजार में हलचल बढ़ा दी है।



एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के मुताबिक, 9 नवंबर को कारोबार बंद होने के समय एनवीडिया का बाजार मूल्य 4.31 लाख करोड़ डॉलर रह गया। इससे पहले कंपनी का बाजार मूल्य करीब 5.88 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया था। उस समय कंपनी के शेयर 243.37 डॉलर के 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहे थे। वहीं, 9 नवंबर को एनवीडिया के शेयर 178.67 डॉलर पर बंद हुए। यह अपने उच्चतम स्तर से लगभग 26.6 प्रतिशत नीचे है। गिरावट का आकार इसी बात से समझा जा सकता है कि इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला का बाजार मूल्य करीब 1.49 लाख करोड़ डॉलर बताया गया है।

एनवीडिया के शेयरों में गिरावट के पीछे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारोबार को लेकर निवेशकों की चिंताएं भी प्रमुख वजह मानी जा रही हैं। निवेशक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि दुनियाभर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी तकनीकी सुविधाओं पर हो रहा भारी खर्च कितना टिकाऊ रहेगा और भविष्य में उन्नत अर्धचालक चिप की मांग किस स्तर पर बनी रहेगी। कंपनी के तिमाही नतीजे 17 नवंबर को आने वाले हैं। ऐसे में निवेशकों की नजर कंपनी की कमाई, मुनाफे और भविष्य की कारोबारी योजनाओं पर टिकी हुई है।

मां बनने के बाद पहली बार बेटी को लेकर कश्मीर पहुंचीं सुरभि ज्योति

डल झील की खूबसूरती पर हुईं फिदा

श्रृंबई। टेलीविजन अभिनेत्री सुरभि ज्योति इन दिनों अपनी जिंदगी के खूबसूरत पलों को परिवार के साथ जी रही हैं। अभिनेत्री अपने पति सुमित सूरी और नन्ही बेटी के साथ कश्मीर की हसीन वादियों में छुट्टियां मना रही हैं। मंगलवार को उन्होंने अपनी पहली कश्मीर यात्रा की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों में कहीं वह खूबसूरत बगीचों में पोज देती नजर आईं तो कहीं पति और बेटी के साथ परिवार के खास पलों का आनंद लेती दिखाई दीं।

सुरभि ने श्रीनगर की अपनी यात्रा का अनुभव साझा करते हुए बताया कि कश्मीर की खूबसूरती और वहां के लोगों की मेहमाननवाजी ने उनका दिल जीत लिया। उन्होंने लिखा कि कश्मीर की यह पहली यात्रा थी और इससे ज्यादा खूबसूरत अनुभव की कल्पना करना भी मुश्किल है। श्रीनगर में उन्होंने गर्मजोशी, शानदार मेहमाननवाजी, प्यारे लोगों और लजीज खाने के बीच कुछ अविस्मरणीय दिन बिताए।

अभिनेत्री ने अपनी यात्रा के दौरान कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की सैर भी की। वह निशात बाग और चश्मे शाही जैसे खूबसूरत मुगल गार्डन पहुंचीं। इसके अलावा परी महल से



श्रीनगर शहर और डल झील के मनमोहक नजारों का आनंद लिया। बॉटनिकल गार्डन में टहलते हुए उन्होंने पतझड़ के मौसम में सुनहरी मेपल की पत्तियों के खूबसूरत नजारे को जादुई बताया। सुरभि ने डल झील पर बिताए पलों को भी अपनी यात्रा का खास हिस्सा बताया। शांत वादियों के बीच शिकारा की सवारी उनके लिए बेहद यादगार रही। अभिनेत्री ने अपने अनुभव में बताया कि डल झील की खूबसूरती और वहां का सुकून ऐसा था, जिसका आनंद लेते हुए उनका मन



खेतों में चरती भेड़ों के संग जिंदगी की रफ्तार

प्रयागराज में खेतों के बीच भेड़ों का झुंड चराता चरवाहा ग्रामीण जीवन की सादगी और प्रकृति से जुड़ाव की खूबसूरत तस्वीर पेश करता है। हरी-भरी जमीन पर चारा तलाशती भेड़ों के पीछे चलता चरवाहा अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों में व्यस्त नजर आता है। शहरों की भागदौड़ से दूर यह दृश्य गांवों की सहज जीवनशैली, पशुपालन और मेहनतकश ग्रामीणों के जीवन को दर्शाता है। बदलते समय के बीच आज भी पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। यह तस्वीर प्रकृति और इंसान के सदियों पुराने रिश्ते की झलक दिखाती है।

आरजी कर मामले की जांच और फैसले से लोग संतुष्ट नहीं : दिलीप घोष

न्यू टाउन। पश्चिम बंगाल के न्यू टाउन में राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों को लेकर मंत्री दिलीप घोष ने कई अहम बयान दिए। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुई जघन्य घटना, मामले की जांच और अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर आध्यात्मिक अनुभव साझा किया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आरजी कर की घटना को लेकर लोगों के मन में अब भी कई सवाल हैं। लोग मामले की जांच और आए फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। पीड़िता का परिवार भी जांच और फैसले से खुश नहीं है।

बांग्लादेश में हिंसा-बस को उपद्रवियों ने जलाया, चालक की मौत

ढाका। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए हैं। सोमवार रात से मंगलवार दोपहर तक देश के करीब 21 जिलों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। बसों और ट्रेन के कोच में आग लगाई गई। सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों के गेट भी बंद कर दिए गए। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, सोमवार देर रात फरीदपुर शहर के गोलाचामट इलाके में एक बस को आग लगा दी गई। पुलिस के मुताबिक, बाइक पर तीन लोग आए थे। इनमें से एक ने बस पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। घटना के समय बस ड्राइवर मोहम्मद कलाचन अंदर सो रहे थे। आग लगने के बाद वे बाहर निकले, लेकिन धुएं से उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कलाचन गोपालगंज जिले के मुक्सुदपुर उपजिला के दिगनगर गांव के रहने वाले थे। पुलिस को शक है कि हिंसा करने वाले प्रदर्शनकारियों का संबंध पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग से है। पुलिस के मुताबिक, हसीना की बांग्लादेश वापसी की घोषणा के बाद ही हिंसक गतिविधियों में इजाफा हुआ।

ईरान की अमेरिका को खुली चेतावनी

होर्मुज में तीन तेल टैंकरों में हुए भीषण धमाके, आग की लपटों से घिरे जहाज

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य तनाव के बीच दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालात और गंभीर हो गए हैं। यहां तीन तेल टैंकरों में भीषण विस्फोट होने से समुद्री क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। धमाकों के बाद जहाजों से काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। ईरान ने दावा किया है कि तीनों टैंकर प्रतिबंधित समुद्री रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे थे और इसी दौरान समुद्री बारूदी सुरंगों की चपेट में आ गए। ईरान की ओर से जहाजों में विस्फोट के वीडियो भी जारी किए गए हैं। इन घटनाओं ने क्षेत्र में पहले से जारी तनाव को और बढ़ा दिया है।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की आधिकारिक समाचार एजेंसी सिपाह न्यूज ने जारी बयान में बताया कि दो तेल टैंकरों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के लिए अपने सभी नौवहन और पहचान प्रणालियां बंद कर दी थीं। ईरान के मुताबिक, इनमें से एक टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग की चपेट में आ गया, जिससे उसमें जोरदार विस्फोट हुआ। वहीं, दूसरा टैंकर अमेरिकी लड़ाकू विमानों के समर्थन से प्रतिबंधित समुद्री रास्ते को चोरी-छिपे पार करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसमें भी धमाका हुआ और जहाज आग की लपटों में घिर गया। ईरान ने इन घटनाओं के लिए जहाजों द्वारा निर्धारित समुद्री मार्गों का उल्लंघन करने को जिम्मेदार ठहराया है।



तीसरा टैंकर भी बारूदी सुरंग से टकराया

ईरानी नौसेना ने रात करीब 8:30 बजे एक और बयान जारी कर तीसरे तेल टैंकर में विस्फोट की जानकारी दी। बयान के अनुसार, मंगलवार दोपहर यह टैंकर भी प्रतिबंधित रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह समुद्री बारूदी सुरंग से टकरा गया और उसमें जोरदार धमाका हो गया। लगातार तीन जहाजों में विस्फोट की घटनाओं ने होर्मुज में समुद्री परिवहन की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आईआरजीसी की अमेरिका को चेतावनी

तीनों घटनाओं के बाद आईआरजीसी ने सख्त चेतावनी जारी की है। ईरानी संगठन ने कहा कि होर्मुज में अनधिकृत समुद्री रास्ते बेहद असुरक्षित हैं। अमेरिकी सेना के सहयोग से इस जलमार्ग से गुजरने की कोशिश करने वाले जहाजों को भी इसी तरह के अंजाम का सामना करना पड़ेगा। ईरान ने साफ संकेत दिया है कि वह अपने प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र में किसी भी तरह की गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा।

28 फरवरी के हमलों के बाद बढ़ा तनाव

गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों के बाद से ही होर्मुज में तनाव बना हुआ है। इसके जवाब में ईरान ने इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर अपनी निगरानी और नियंत्रण सख्त कर दिया था।

रिपब्लिकन सांसदों ने दिखाई एकजुटता

महाभियोग की कोशिश ध्वस्त, ट्रंप की ढाल ने बचाया रक्षा मंत्री हेगसेथ का पद

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को फिलहाल बड़ी राजनीतिक राहत मिल गई है। उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की कोशिशों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन और रिपब्लिकन सांसदों की एकजुटता ने नाकाम कर दिया। मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन सांसदों ने बहुमत के साथ हेगसेथ को पद से हटाने की कोशिशों पर रोक लगा दी। सदन में आठ महाभियोग प्रस्तावों को रिपब्लिकन नेतृत्व वाली हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी के पास भेजने के पक्ष में 211 और विरोध में 204 वोट पड़े। इस फैसले के साथ फिलहाल हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता बंद हो गया है। हालांकि, बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच उनकी मुश्किलें भविष्य में फिर बढ़ सकती हैं। महाभियोग के आठ प्रस्तावों को न्यायिक समिति के पास भेजने का प्रस्ताव केंटकी के रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने पेश किया था। दिलचस्प बात यह रही कि मैसी खुद रिपब्लिकन पार्टी से होने के बावजूद इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वाले एकमात्र रिपब्लिकन सांसद रहे। उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि महाभियोग प्रस्तावों को समिति के पास भेजने का फैसला इस पूरी प्रक्रिया को खत्म करने जैसा होगा। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप के खुलकर हेगसेथ के समर्थन में उतरने के बाद रिपब्लिकन सांसदों ने उनके पक्ष में एकजुटता दिखाई। नतीजतन, डेमोक्रेट्स की ओर से रक्षा मंत्री के खिलाफ महाभियोग चलाने की कोशिश सफल नहीं हो सकी।



ट्रंप ने बताया डेमोक्रेट्स की बड़ी हार

प्रतिनिधि सभा के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग चलाने की डेमोक्रेट्स की कोशिश बुरी तरह नाकाम रही है। ट्रंप ने कहा कि थॉमस मैसी को छोड़कर हर रिपब्लिकन सांसद ने हेगसेथ के समर्थन में मतदान किया।

पत्नी की हत्या कर कचरे की तरह फेंक दिया शव, नेपाली-अमेरिकी युवक दोषी करार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की जूरी ने एक शख्स को अपनी पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया है। इस शख्स पर पत्नी की हत्या कर उसके शव को ठिकाने लगाने का भी दोषी पाया गया है। नेपाली -अमेरिकी शख्स नरेश भट्ट ने स्वीकार किया कि वो अपनी पत्नी ममता काफ्ले के शव के टुकड़े कर लैंडफिल में ठिकाने लगाया हालांकि उसने हत्या की बात से इनकार किया।

ममता (28 साल) पेशे से नर्स थीं और 2024 में मनासास पार्क स्थित घर से लापता हो गई थीं। काफी खोजबीन के बाद भी शव नहीं मिला। मंगलवार



नेपाली -अमेरिकी शख्स नरेश भट्ट की तस्वीर।

को भट्ट को फर्स्ट-डिग्री हत्या, शव का अपमान करने और शव को छिपाने का दोषी ठहराया गया। हत्या से इनकार करते हुए नरेश ने दावा किया कि उसे पत्नी मृत मिली थी। उसने ऐसा अंदेशा जताया कि ऐसा लगता है कि ये आत्महत्या हो। अपनी गवाही के दौरान, भट्ट ने बताया कि 30 जुलाई 2024 को उसे अपने मुख्य बेडरूम में काफ्ले का शव मिला। उसने बताया कि उसने अगले डेढ़ दिन तक शव के टुकड़े किए। इसके बाद अवशेषों को कचरे के थैलों में भरा और फिर उन्हें अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। अभियोजकों ने उस पर अपनी पत्नी की हत्या करने और सबूत मिटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सीनियर असिस्टेंट कॉमनवेल्थ अटॉर्नी सारा सामी ने कहा कि आरोपी ने ममता काफ्ले की हत्या की, उनके शव के टुकड़े किए और उन्हें कचरे की तरह ठिकाने लगा दिया।

जेल में अचानक बिगड़ी इमरान के करीबी की तबीयत, बेहोश होकर फर्श पर गिरे कुरैशी

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी शाह महमूद कुरैशी की जेल में अचानक तबीयत बिगड़ गई। लाहौर की



कोट लखपत जेल में वह अपनी बैरक के भीतर टहल रहे थे, तभी अचानक चक्कर आने से बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। इस घटना में उनके हाथ और घुटने में चोटें आई हैं। हालत बिगड़ने पर जेल प्रशासन ने उन्हें तत्काल पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी (पीआईसी) में भर्ती कराया। फिलहाल डॉक्टर उनकी सेहत पर नजर रख रहे हैं। इस घटना के बाद पाकिस्तान की राजनीति में एक बार फिर कुरैशी की जेल में बंदी और उनके स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जेल अधिकारी के मुताबिक, कुरैशी को बैरक में टहलते समय अचानक चक्कर आया और वह अपना संतुलन खोकर फर्श पर गिर पड़े। हादसे में उनके हाथ और घुटने में चोट लगी। उनके वकील राणा मुदस्सर उमर ने भी घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बेहोश होकर गिरने के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

अगस्त 2023 से सलाखों के पीछे हैं पूर्व विदेश मंत्री

शाह महमूद कुरैशी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता और उपाध्यक्ष हैं। वह इमरान खान सरकार में दो बार विदेश मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। नौ मई 2023 को हुई हिंसा से जुड़े मामलों में उन्हें अगस्त 2023 से जेल में रखा गया है। उनकी गिरफ्तारी और लंबे समय से जारी हिरासत को लेकर पीटीआई लगातार सरकार पर सवाल उठाती रही है। कुरैशी की तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आने के बाद उनकी बेटी मेहर बानो ने चिंता जताते हुए सरकार पर निशाना साधा।

महाराष्ट्र के बीड में आबकारी विभाग के कार्यालय में भीषण आग, पांच कारों समेत कई दोपहिया वाहन जलकर खाक

बीड। महाराष्ट्र के बीड शहर में धानोरा रोड स्थित आबकारी विभाग (शराबबंदी विभाग) के कार्यालय की पार्किंग में अचानक आग लग गई। आग ने पार्किंग में खड़े पांच चार-पहिया वाहनों समेत कई दोपहिया वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी के अनुसार, आबकारी विभाग के कार्यालय की पार्किंग में अचानक आग लग गई, जिससे कई गाड़ियों जल गईं। आग की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की ओर से केवल एक फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर भेजा गया। आग बुझाने के दौरान दमकल वाहन का पानी खत्म हो गया, जिसके बाद उसे दोबारा पानी भरने के लिए जाना पड़ा। इस प्रक्रिया में करीब 15 मिनट की देरी हुई। इस दौरान आग और अधिक फैल गई तथा उसने विकराल रूप धारण कर लिया। घटना के बाद बीड नगरपालिका की अग्निशमन व्यवस्था और संसाधनों की उपलब्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मेट्रो एंकर अब शीतकालीन गद्दीस्थल में होगी पूजा-अर्चना

बाबा केदार के कपाट शीतकाल के लिए बंद, 19.22 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

रुद्रप्रयाग। एजेंसी

उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में इस वर्ष की यात्रा का भव्य समापन हो गया है। बुधवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक परंपराओं और बाबा केदार के जयकारों के बीच मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। सुबह ठीक 8 बजकर 30 मिनट पर विधि-विधान के साथ बाबा केदारनाथ के कपाट बंद किए गए। इसी के साथ इस साल के लिए धाम में श्रद्धालुओं के नियमित दर्शन का सिलसिला थम गया। कपाट बंद होने के इस ऐतिहासिक और भावुक क्षण का साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे थे। केदारनाथ मंदिर में सुबह से ही कपाट बंद



करने की धार्मिक प्रक्रिया शुरू हो गई थी। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद रही। हर कोई बाबा केदार के दर्शन और कपाट बंद होने के विशेष पल को अपनी आंखों में संजो लेना चाहता था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए।

इससे पहले मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। बाबा के स्वयंभू शिवलिंग को समाधि देने की परंपरागत प्रक्रिया भी पूरी की गई। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। घंटियों की गूंज, वैदिक मंत्रों के उच्चारण और हर-हर महादेव के जयकारों से केदारपुरी गुंजायमान होती रही। कपाट बंद होने से एक दिन पहले केदारनाथ धाम में बेहद भावुक और भक्तिमय नजारा देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। दिन ढलने के साथ भक्तों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

अगले यात्रा सीजन का रहेगा इंतजार

केदारनाथ धाम में कपाट बंद होने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा के इस प्रमुख पड़ाव का समापन हो गया है। हजारों श्रद्धालु नम आंखों और मन में बाबा केदार की यादें लेकर वापस लौट रहे हैं। वहीं, अब भक्तों को अगले वर्ष कपाट खुलने का इंतजार रहेगा। बर्फ की सफेद चादर से ढकी केदारपुरी में भले ही सन्नाटा छा जाएगा, लेकिन ऊखीमठ में बाबा केदार की पूजा-अर्चना के साथ आस्था की ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहेगी। यही केदारनाथ की परंपरा, संस्कृति और श्रद्धालुओं के अटूट विश्वास की सबसे बड़ी पहचान है। जय बाबा केदार

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524